केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 265 सोमवार 20 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ग्राम प्रधान और राजस्व कर्मियों पर करोड़ों की सरकारी जमीन हड़पने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा (बस्ती)। जनपद के कुदरहा ग्राम पंचायत में सरकारी जमीन के बंदरबांट का एक बड़ा मामला सामने आया है। भारतीय किसान यूनियन (भानू) के जिला उपाध्यक्ष उमेश गोस्वामी ने जिलाधिकारी को पत्र सौंपकर ग्राम प्रधान, लेखपाल और राजस्व निरीक्षक पर मिलीभगत कर करोड़ों रुपये की सरकारी भूमि को अवैध तरीके से आवंटित करने और कब्जा करने का गंभीर आरोप लगाया है।

आरोप है कि ग्राम प्रधान पूजा देवी और राजस्व कर्मी राकेश कुमार सिंह ने सांठगांठ कर खाता संख्या 372 और गाटा संख्या 78 (बंजर भूमि) का आवासीय पट्टा अवैध तरीके से जुगुरता देवी के नाम कर दिया।

शिकायतकर्ता के अनुसार, पट्टा 24 जनवरी 2020 को किया गया था, जबकि संबंधित महिला के पास पहले से ही मकान मौजूद था, जो नियमों के विरुद्ध है।

पत्र में दावा किया गया है कि जुगुरता देवी की मृत्यु के बाद, ग्राम प्रधान और दुर्गा प्रसाद अग्रहरि ने उक्त सरकारी भूमि पर अवैध रूप से मकान और दुकान बनाकर कब्जा कर लिया है। उमेश गोस्वामी ने इस पूरे प्रकरण की मजिस्ट्रेट जांच कराने की मांग की है। उन्होंने जिलाधिकारी से अपील की है कि इस फ्फर्जी पट्टे के खेल में शामिल ग्राम प्रधान, लेखपाल और अन्य राजस्व कर्मियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान परशुराम जयन्ती

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती हर्रैया नगर पंचायत स्थित ब्रम्हदेव इंद्रमती त्रिपाठी महिला डिग्री कॉलेज के सभागार में ब्राह्मण महासभा के तहसील अध्यक्ष कृपाशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में रविवार को मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार त्रिपाठी और अन्य अतिथियों ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित करके किया। अतिथियों ने संबोधित करते हुए कहा कि भगवान परशुराम शौर्य, तप और धर्मनिष्ठा के अद्वितीय प्रतीक हैं। उनका जीवन न्याय, सत्य और आदर्शों की स्थापना के लिए समर्पित रहा, जो मानवता के लिए प्रेरणास्रोत है। भगवान परशुराम ने अपने जीवन में धर्म और न्याय की स्थापना के साथ–साथ समाज में संतुलन और सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। कहा कि वे केवल योद्धा नहीं थे, बल्कि वेदों के ज्ञाता भी थे। यह दर्शाता है कि शक्ति का उपयोग ज्ञान और मर्यादा के साथ किया जाना चाहिए।

जयंती कार्यक्रम को ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक कुमार शुक्ल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम पांडेय, जनपदीय अध्यक्ष नवीन दुबे, जिला महामंत्री शंभू नाथ मिश्र, नर्मदेश्वर शुक्ल, दयाशंकर मिश्र, प्रवीण पाठक, सुभाष चन्द्र त्रिपाठी, राजेश द्विवेदी, रोहित त्रिपाठी, विनोद शुक्ल, जनार्दन पाण्डेय, अनिल पाण्डेय, प्रेम शंकर ओझा, टनाटन मिश्र, राजेश पाण्डेय, शिवनारायण पाण्डेय, गिरजा शंकर द्विवेदी, दुखहरण प्रसाद शुक्ला, उमाकांत त्रिपाठी, चंद्रमणि पाण्डेय सुदामा आदि ने संबोधित किया।

अमेरिका–ईरान के बीच इस्लामाबाद में दूसरे चरण की वार्ता सोमवार को

वाशिंगटन (आभा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि सोमवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचेगा, जहां ईरान के साथ द्विपक्षीय संघर्ष को समाप्त करने के लिए दूसरा दौर की तकनीकी स्तर की बातचीत होने वाली है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत आगे बढ़ रही है और अमेरिका इस्लामाबाद जाने को इच्छुक है। उन्होंने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए उन्हें 'शानदार' बताया और कहा कि उनकी भूमिका के कारण इस्लामाबाद में बातचीत की संभावना बढ़ गई है।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में यह स्पष्ट नहीं किया कि अमेरिका इस आमने–सामने की वार्ता में किन अधिकारियों को भेज रहा है। वाइट हाउस और उपराष्ट्रपति जेडी वैंस के कार्यालय (जिन्होंने पहले दौर की वार्ता का नेतृत्व किया था) ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं ट्रंप ने स्पष्ट किया कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ईरान के साथ प्रस्तावित बातचीत के लिए इस्लामाबाद जाने वाले अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व नहीं करेंगे। ट्रंप ने एबीसी न्यूज से बात करते हुए कहा कि वेंस को प्रतिनिधिमंडल से बाहर रखने का एकमात्र कारण सुरक्षा संबंधी चिंताएं हैं।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर शनिवार को होर्मुज स्ट्रेट में गोलीबारी कर युद्धविराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान अमेरिका द्वारा प्रस्तावित समझौते को स्वीकार नहीं करता तो अमेरिका ईरान के नागरिक बुनियादी ढांचे को नष्ट कर देगा। ट्रंप ने लिखा कि अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो अमेरिका ईरान के हर एक पावर प्लांट और हर एक पुल को नष्ट कर देगा।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने इस्लामाबाद में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। क्षेत्रीय सूत्रों के अनुसार, मध्यस्थता की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अमेरिकी सुरक्षा दल पहले ही पहुंच चुके हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा कि उनका देश दोनों पक्षों के बीच मतभेद दूर करने के लिए सक्रिय है।

पेड़ वाले बाबा ने किया पौधों की कटाई, छटाई, निराई गोडाई, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सामाजिक कार्यकर्ता पेड वाले बाबा गौहर अली ने रविवार को रजिस्ट्री दफ्तर के पास लगाए गए पौधों का कटाई, छटाई, निराई गोडाई किया । जो पौधे काफी बड़े हो गए थे उनका ट्री गार्ड निकाल दिया गया साफ करते समय कई लोगों को मधुमक्खी और हड्डियों का शिकार होना पड़ा लेकिन फिर काम जारी रखा। कुछ पौधे अभी पूर्ण रूप से बालिग नहीं हुए हैं जो बारिश होने के बाद पूरी तरह से स्वालम्बी हो जाएंगे । गौहर अली ने बताया कि जो भी पौधा लगाते हैं जब तक पौधे पूर्ण रूप से तैयार ना हो जाए अपने आप बड़े पेड़ का रूप ना ले ले उनकी सेवा जारी रहती है।

पर्यावरण के क्षेत्र में निरन्तर योगदान करने वाले पेड वाले बाबा गौहर अली ने बताया कि गर्मी के मौसम में अपना तो ख्याल रखना ही होता है साथ में पेड़े पौधों की भी देखभाल करनी होती है. तेज धूप और गरम हवा से पौधे मुरझा जाते हैं। इनकी हरियाली भी कम हो जाती है। ऐसे में निरन्तर देखभाल जरूरी है।

पेड़ पौधों की सेवा में अखिलेश राज, रामलाल सोनी,राहुल कुमार आदि ने योगदान दिया।

कांग्रेस, सपा का झण्डा जलाना मानसिक दिवालियापन- महेन्द्र श्रीवास्तव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस आरटीआई विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्वान्चल प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने यूपी महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव द्वारा कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का झण्डा जलाये जाने की घटना को शर्मनाक और मानसिक दिवालियापन का शिकार बताते हुये कहा कि भाजपा के कुछ नेता चर्चा में आने के लिये राजनीतिक मर्यादा भूल गये हैं।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से कांग्रेस नेता ने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक तो पहले से ही विपक्ष के समर्थन से पास हो चुका है किन्तु भाजपा सरकार जान बूझकर उसे लागू न करना पड़े इसके लिये षड़यंत्र कर रही है। कहा कि केन्द्र की मोदी सरकार जब चाहे महिला आरक्षण कानून को लागू कर सकती है किन्तु बिना जनगणना और परिसीमन के वह मनचाहा संविधान संशोधन लाकर प्रक्रिया को बाधित करना चाहती थी, इसे विपक्ष ने सिरे से नकार दिया। कहा कि महिला आरक्षण का विलाप करने वाले भाजपा नेता अपने गिरेबान में झांककर देखें कि किस प्रकार से उनकी सरकार में महिलाओं पर जुल्म ढाये जा रहे हैं। कथित बाबाओं जिन पर दुष्कर्म के गंभीर आरोप हैं उन्हें सत्ता के संरक्षण में पैरोल मिल जाता है। जो नेता अपनी पत्नी को नैतिक अधिकार देने को तैयार नहीं हैं वे महिला आरक्षण पर घडियाली आंसू बहाते हैं तो हंसी आती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि विरोध के कई तरीके लोकतंत्र में हो सकते हैं किन्तु महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने जो तरीका अपनाया वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें अपने इस कृत्य के लिये देश से माफी मांगनी चाहिये वरना समय आने पर जनता ऐसे नेताओं को करारा जबाब देगी।

शिक्षक संघ अध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल पर गंभीर आरोपः 28 पदाधिकारियों ने दिया त्याग पत्रः नये संगठन के उदय की प्रक्रिया शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ संगठन का अर्न्तकलह खुलकर सामने आ गया है। संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शक्ल पर हठधर्मिता का आरोप लगाते हुये 18 अप्रैल शनिवार को विभिन्न ब्लॉकों से 28 पदाधिकारियों ने एक साथ अपने पदों से त्यागपत्र दे दिया।

इसी कड़ी में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी का कप्तानगंज शिक्षकों ने स्वागत किया और प्रदेश अध्यक्ष विनय तिवारी,प्रदेश महामंत्री उमा शंकर सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष संदीप पवार के नेतृत्व में अपनी आस्था व्यक्त करते हुए संघ में शामिल हुए। संकल्प लिया कि जनपद को एक कर्मठ,ईमानदार एवं कर्तव्यनिष्ठ नेतृत्व दिया जाएगा। इस तरह से शिक्षकों के नये संगठन ने आकार ले लिया।

मिली जानकारी के अनुसार मामला परशुरामपुर ब्लॉक के ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा की बर्खास्तगी से शुरू हआ। शिक्षक पदाधिकारियों का आरोप है कि देवेन्द्र बर्मा की बर्खास्तगी परी तरह गलत और अनुचित तरीके से की गई । उन्होंने मांग की कि इसे वैधानिक प्रक्रिया से सूलझाया जाए, लेकिन ऐसा न होने से पदाधिकारियों में भारी असंतोष फैल गया। नतीजा? सामहिक त्यागपत्र का ऐलान। पदाधिकारियों ने कहा, जिलाध्यक्ष की जिद ने संगठन को कमजोर कर दिया अब समय आ गया है बदलाव का! यह घटना बस्ती जनपद के राजनीतिक गलियारों में भूचाल ला रही है।

त्यागप देने वालों में प्रमुख रूप से जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, राम नगर अध्यक्ष इंद्रसेन मिश्रा, मंत्री अभिषेक जायसवाल, गौर के मंत्री विनोद यादव, गंगा प्रसाद कन्नौजिया, गिरिजा शंकर चौधरी ,,ज्ञानदास चौधरी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गौर ,परशुरामपुर अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा, खुदरा अध्यक्ष चंद्रभान चौरसिया, रवींद्र वर्मा, उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार वर्मा, रूधौली अध्यक्ष राजेश चौधरी, दुबौलिया अध्यक्ष रामपाल, त्रिलोकी प्रसाद, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनय कुमार करुण, विवेक गौतम , अनूप कुमार चौधरी , संजय चौहान,अजीत राव, रवि शंकर यादव , सतीश जायसवाल अजय प्रताप चौधरी,राम भरत वर्मा,रामपति कन्नौजिया , विवेक गौतम ,राजकुमार आदि शामिल हैं।

प्राथमिक शिक्षक संघ के तीन ब्लाक अध्यक्ष बर्खास्त 25 सदस्य निष्कासितः नये पदाधिकारी घोषित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रविवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह के हडिया चौराहे के निकट स्थित आवास पर जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सांगठनिक मजबूती पर विचार के साथ ही संगठन विरोधी गतिविधियों में लिप्त पदाधिकारियों को पद से बर्खास्त करते हुये सभी 28 सदस्यों की सदस्यता समाप्त कर देने का निर्णय लिया गया। इसी कड़ी में दुबौलिया से दिवाकर सिंह, कुदरहा ओम प्रकाश पाण्डेय और रूधौली में रजनीश मिश्र को संघ के ब्लाक अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया।

–संगठन विरोधी गतिविधियों को लेकर हुआ निर्णय–उदयशंकर शुक्ल

यह जानकारी देते हुये संघ जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने बताया कि संगठन विरोधी गतिविधियों में लिप्त कुदरहा अध्यक्ष चन्द्रभान चौरसिया, दुबौलिया राम पाल चौधरी और रूधौली से राजेश चौधरी को पद से बर्खास्त कर 25 सदस्यों की प्राथमिक सदस्यता समाप्त कर दिया गया। परसुरामपुर के बर्खास्त ब्लाक अध्यक्ष देवेन्द्र वर्मा को जांच के बाद एक लाख 43 हजार रूपये गबन, अनुसूचित जाति के पदाधिकारी को जाति सूचक गाली देने, जनपदीय अधिवेशन में संगठन के विरूद्ध आचरण करने और रामभरत वर्मा पूर्व अध्यक्ष सल्टौआ को शिक्षकों से वर्ष 2022 में वसली गई सदस्यता का गबन करने के आरोप में सगठन की प्राथमिक सदस्यता समाप्त कर संघ से निष्कासित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनन्द दूबे, जिला संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, साऊंघाट ब्लाक अध्यक्ष अभिषेक उपाध्याय, ओम प्रकाश पाण्डेय, दिवाकर मिश्र, सुनील पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, राजीव पाण्डेय, ज्ञान उपाध्याय, आनन्द सिंह, सन्तोष शुक्ल, सरिता पाण्डेय, वीरेन्द्र पाण्डेय, कन्हैयालाल भारती, अनिल यादव, रीता शुक्ला, आरती गौतम, मारूफ खान, अवनीश तिवारी, स्कन्द मिश्र के साथ ही अनेक पदाधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

पटाखा फैक्ट्री में धमाके से 16 की मौत

विरुधुनगर (आभा)। तमिलनाडु की पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका हुआ है। इस हादसे में 16 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, छह अन्य लोग घायल हुए हैं। यह हादसा विरुधुनगर के करीब कट्टानरपट्टी में हुआ है। शुरुआती रिपोर्ट्स से पता चलता है कि विस्फोट जिले के कट्टानरपाट्टी गांव के एक पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। अब आग पर नियंत्रण पा लिया गया है। छह घायल व्यक्तियों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान जारी है।

बताया जा रहा है कि पटाखे बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों को मिलाने के समय हुई गड़बड़ी के कारण यह धमाका हुआ। विस्फोट इतना जोरदार था कि कारखाने के वे चार कमरे पूरी तरह जमींदोज हो गए। घटना के समय वहां करीब 30 मजदूर काम कर रहे थे। अधिकांश शव इतनी बुरी तरह जल गए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया है।

यह विस्फोट मुथुमानिकम के स्वामित्व वाली वनजा पटाखा निर्माण इकाई में हुआ। इस इकाई के पास पटाखा निर्माण का वैध लाइसेंस भी था। लेकिन रविवार को आधिकारिक अवकाश होने के बावजूद फैक्ट्री में काम चल रहा था। घटना की जानकारी मिलते ही शिवकाशी, विरुधुनगर और सत्तूर से दमकल विभाग और बचाव कर्मियों की कई टीमें मौके पर पहुंचीं। इन्हें आग पर काबू पाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। विरुधुनगर के जिला पुलिस अधीक्षक एसपी श्रीनाथ और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने घटनास्थल पर मौजूद रहकर बचाव कार्यों की सीधी निगरानी की।

भगवान परशुराम के शक्ति की क्षति नहीं होती–कैप्टन कृष्ण चन्द्र पाठक

–भगवान परशुराम जयंती पर गोष्ठी, भण्डारे में उमड़े लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रविवार को हर्रैया तहसील क्षेत्र के केनौना चौराहे के निकट बहुजन समाज पार्टी के भावी प्रत्याशी कैप्टन कृष्ण चन्द्र पाठक के संयोजन में धूमधाम से मनाई गई और विशाल भण्डारे में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

कैप्टन कृष्ण चन्द्र पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम का जन्म वैशाख मास की शुक्ल तृतीया को हुआ था। इस दिन अक्षय तृतीया भी मनाई जाती है। अक्षय तृतीया के दिन जन्म लेने के कारण भगवान परशुराम के शक्ति की क्षति नहीं होती । कहा कि परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार थे।

भाजपा के पूर्व विधायक सी.ए. चन्द्र प्रकाश ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को समाज के लिए काम करना चाहिए। भगवान परशुराम के पद चिह्नों में चलते हुए मांस–मदिरा व नशा से कोसों दूर रहें। समाज के लोगों से आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति गरीबों की मदद करे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से दयाशंकर मिश्र, प्रवीण पाठक, रमेश कुमार शुक्ल के साथ ही बड़ी संख्या में संत समाज, स्थानीय नागरिक, समाजसेवी और विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी शामिल रहे। भजन कीर्तन ने मन मोह लिया।

अजय कुमार पाल अध्यक्ष, मो. इजहारूल हक अंसारी महामंत्री बने

–उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल के जनपदीय अधिवेशन में उठे मुद्देः एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। रविवार को उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल ' पूर्व माध्यमिक' का जनपदीय अधिवेशन रोडवेज के निकट स्थित एक मैरेज हाल के सभागार में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में प्रदेश अध्यक्ष संजयमणि त्रिपाठी ने कहा कि प्रदेश के जूनियर हाई स्कूल कठिन परिवेश में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। उन्होने पुरानी बहाली, टेट के सवाल को लेकर निर्णायक आन्दोलन और एकजुटता पर जोर दिया। अधिवेशन के दूसरे चरण में चुनाव अधिकारी राधेश्याम वर्मा और पंकज कुमार चौधरी की देख रेख में हुये चुनाव में सर्व सम्मत से अजय कुमार पाल अध्यक्ष, मोहम्मद इजहारूल हक अंसारी महामंत्री, प्रदीप कुमार जायसवाल कोषाध्यक्ष, उमेश मौर्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष, मनीष कुमार मिश्र, गिरजेश कुमार, दिनेश कुमार, सत्या पाण्डेय उपाध्यक्ष, सन्तोष कुमार श्रीवास्तव, फैजान अहमद, सरवरजमाल, डा. राजेश सक्सेना संयुक्त मंत्री, सुशील कुमार पटेल लेखाकार और मो. आलम आडिटर घोषित किये गये। प्रदेश अध्यक्ष संजयमणि त्रिपाठी ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया।

अधिवेशन को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेजपाल मौर्य, अजय कुमार पाण्डेय, संजय कुमार राय, अभय प्रताप सिंह, सन्त कुमार चौधरी, दिलीप कुमार, कुलदीप सिंह आदि ने सम्बोधित करते हुये शिक्षकों की समस्याओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से लवकुश वर्मा, राजीव शरण, मनोज कुमार, सुरेन्द्र पटेण्ल, घनश्याम यादव, अब्दुल माबूद, अब्दुल कैयूम, जितेन्द्र कुमार, सतीश चन्द्र यादव, लवकुश वर्मा, मक्खन लाल, मो. असलम, मनमोहन, विवेकानन्द, डा. सुनील कुमार यादव, रवि प्रकाश, मेराज अहमद, गुलाम अशरफ, बाबूराम वर्मा, करूणांकर, अजय प्रताप चौधरी, दिलीप कुमार, विशाल पाण्डेय के साथ ही बड़ी संख्या में शिक्षक और विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की बैठक में समस्याओं के निराकरण पर विमर्श

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील इकाई हर्रैया की मासिक बैठक रविवार को सिटकोहर गौर में सम्पन्न हुई। बैठक में पत्रकारों की सुरक्षा, संगठन की मजबूती और उनके हितों की रक्षा के लिए गहन विमर्श किया गया। इसमें निष्पक्ष पत्रकारिता, तहसील स्तर पर संगठन के विस्तार और समस्याओं के निराकरण पर जोर दिया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार त्रिपाठी एवं संचालन जिला महामंत्री अनिल कुमार पांडेय ने किया।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि पत्रकार का चरित्र उसकी विश्वसनीयता की नींव होता है। यदि पत्रकार ईमानदार, नैतिक और जिम्मेदार है, तो उसकी खबरें समाज में भरोसा पैदा करती हैं। पत्रकारिता केवल सूचना देने का माध्यम नहीं बल्कि समाज का दर्पण है। दर्पण की स्पष्टता तभी बनी रहती है, जब उसमें चरित्र और निष्पक्षता की चमक हो। आज के दौर में, जब सोशल मीडिया और तेज सूचना प्रवाह के कारण गलत खबरें तेजी से फैलती हैं, तब चरित्र और निष्पक्षता का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक सच्चा पत्रकार वही है जो दबाव, लालच और भय से ऊपर उठकर समाज के हित में सत्य को प्रस्तुत करे। जिला महामंत्र ने कहा कि पत्रकार हितों के लिए संगठन सदैव प्रयत्नशील है। ग्रामीण क्षेत्रों में चुनौतियों के बीच निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर संगठन पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने पत्रकारों को एकजुट होकर अपना हक मांगने और संगठन को तहसील स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया। जिला उपाध्यक्ष जनार्दन पाण्डेय ने कहा कि ग्रामीण पत्रकार निश्चित रूप से आम जनमानस की आवाज हैं लेकिन अपने दायित्वों के निर्वहन में उन्हें कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में उनकी सुरक्षा और सुविधाओं का सुनिश्चित होना बेहद आवश्यक है। बड़ी संख्या में पत्रकारों ने बैठक में अपनी बात रखी। अन्य वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यरत पत्रकार सीमित संसाधनों के बावजूद निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता कर रहे हैं लेकिन उन्हें अपेक्षित सुविधाएं और आर्थिक सुरक्षा नहीं मिल पा रही हैं। जिसके लिए आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार अशोक पांडेय, शमशेर सिंह, प्रेम कुमार सिंह, बेनी माधव पाण्डेय, राम ललित यादव, बृजेश पाल सिंह, सत्यदेव शुक्ल, रामराज मिश्रा, राम जीत पाण्डेय, रुबल कमलापुरी, राधे श्याम यादव, दिनेश चंद्र, मनोज सिंह, आदित्य सिंह, भूपेंद्र विक्रम मिश्रज विनोद कुमार, योगेंद्र मणि तिवारी सहित तमाम पत्रकार मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 20 अपैल 2026 सोमवार

सम्पादकीय

अमीरी–गरीबी की गहरी होती खाई

भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में स्थापित हो चुका है। वैश्विक स्तर पर भू–राजनीतिक तनाव, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान और बढ़ती महंगाई जैसी चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस प्रकार से लचीलापन दिखाया है, वह काबिलेगौर है। पिछले एक दशक में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि, बुनियादी ढांचे का विस्तार और सेवा क्षेत्र की मजबूती से वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में भारत की साख भी मजबूत हुई है। मगर, इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक गहरी चिंता भी छिपी हुई है और वह है व्यापक असमानता की। यानी आर्थिक विकास के लाभ समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। एक ओर समृद्ध वर्ग अपनी आय और संपत्ति में निरंतर वृद्धि देख रहा है, दूसरी ओर निम्न आय वर्ग अभी भी संघर्षरत है। यह स्थिति आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय के बीच बढ़ती खाई को दर्शाती है, जो देश के विकास की स्थिरता और समावेशिता पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है।

हाल के वर्षों में 'के–आकार की रिकवरी' (के–शेप्ड रिकवरी) शब्द काफी चर्चा में रहा है। इसका अर्थ है कि किसी आर्थिक संकट के बाद समाज के विभिन्न वर्ग अलग–अलग गति से उबरते हैं। भारत में यह परिघटना स्पष्ट रूप से देखी जा सकती है। कोरोना महामारी के बाद बड़े उद्योग, निगमित घराने और उच्च आय वर्ग तेजी से उबर गए। शेयर बाजारों में उछाल आया, डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ और उच्च कौशल वाले लोगों के लिए अवसर बढ़े। इसके विपरीत, छोटे व्यवसाय, दिहाड़ी–मजदूर और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। यह विभाजन समाज को दो भागों में बांट देता है– एक जो तेजी से ऊपर जा रहा है और दूसरा जो पीछे छूटता जा रहा है। यही कारण है कि समावेशी विकास अब एक अनिवार्यता बन चुका है।

भारत में आय और संपत्ति का असंतुलन चिंताजनक स्तर तक पहुंच चुका है। समाज का एक खास और छोटा–सा वर्ग देश की अधिकांश संपत्ति पर अधिकार रखता है, जबकि बड़ी आबादी के पास बहुत सीमित संसाधन हैं। शीर्ष दस फीसद लोगों के पास राष्ट्रीय आय और संपत्ति का बड़ा हिस्सा केंद्रित है, जबकि निचले पचास फीसद लोगों की हिस्सेदारी बहुत कम है। यह केवल बाजार की स्वाभाविक प्रक्रिया का परिणाम नहीं है, बल्कि शिक्षा, रोजगार और संसाधनों तक असमान पहुंच का नतीजा है। वित्तीय बाजारों और जमीन–जायदात कारोबार के बढ़ते प्रभाव ने इस असमानता को और गहरा किया है। जिनके पास पहले से संपत्ति थी, उसमें तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जबकि जिनके पास संसाधन नहीं थे, वे और पीछे रह गए। यह स्थिति दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक अस्थिरता को जन्म दे सकती है।

देश का मध्यम वर्ग, जिसे अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है, वह आज कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ती महंगाई, सीमित वेतन वृद्धि और रोजगार की अनिश्चितता ने इस वर्ग की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। मध्यवर्ग बचत, निवेश और मांग को आगे बढ़ाता है। अगर यह वर्ग कमजोर होता है, तो इसका सीधा असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। भारत में असमानता केवल आंतरिक कारणों से नहीं, बल्कि वैश्विक परिस्थितियों से भी प्रभावित होती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव, व्यापारिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितता भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। घरेलू स्तर पर भी कई संरचनात्मक समस्याएं हैं, जैसे ग्रामीण–शहरी अंतर, क्षेत्रीय असमानता और असंगठित क्षेत्र का पिछड़ना। हालांकि सरकार की ओर से डिजिटल और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में किए गए प्रयासों से नए अवसर पैदा हुए हैं, लेकिन इनके लाभ सभी तक समान रूप से नहीं पहुंचे हैं। इससे साफ है कि असमानता एक जटिल समस्या है, जिसे हल करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की जरूरत है।

देश की आर्थिक वृद्धि के बावजूद रोजगार सृजन अपेक्षाकृत तेजी से नहीं हो पाया है। देश की बड़ी आबादी आज भी असंगठित क्षेत्र में कार्यरत है, जहां न तो स्थायी आय होती है और न ही सामाजिक सुरक्षा। कोरोना महामारी ने इस कमजोरी को उजागर किया, लाखों लोगों ने अपनी नौकरियां खो दीं और उन्हें अपने गांवों की ओर लौटना पड़ा। यह स्थिति बताती है कि भारत की अर्थव्यवस्था में रोजगार का ढांचा कितना अस्थिर है। ऐसे में समाधान के लिए श्रम–प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देना, कौशल विकास को मजबूत करना और रोजगार को औपचारिक रूप देना आवश्यक है। समाज में असमानता को कम करने में शिक्षा और कौशल की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन भारत में इस क्षेत्र में भी कई चुनौतियां हैं। हालांकि शिक्षा तक पहुंच बढ़ी है, लेकिन गुणवत्ता में भारी अंतर है। ग्रामीण क्षेत्रों और गरीब वर्गों के विद्यार्थियों को उचित संसाधन, बेहतर प्रशिक्षित शिक्षक और आधुनिक सुविधाएं नहीं मिल पातीं। इसके अलावा उद्योगों की जरूरत और शिक्षा प्रणाली के बीच तालमेल की कमी भी एक बड़ी समस्या है। इससे बेरोजगारी और कौशल की कमी दोनों बढ़ती हैं। अगर देश को समावेशी विकास के पथ पर आगे बढ़ाना है, तो शिक्षा और कौशल में निवेश को प्राथमिकता देनी होगी।

यहां महिलाओं की आर्थिक भागीदारी अभी भी बहुत सीमित है। सामाजिक मान्यताएं, सुरक्षा की चिंताएं और कार्यस्थल पर सुविधाओं की कमी महिलाओं के लिए बाधा बनती हैं। इसके अलावा, शिक्षा और वित्तीय संसाधनों तक पहुंच में भी लैंगिक असमानता है। यदि महिलाओं को समान अवसर दिए जाएं, तो वे न केवल अपनी स्थिति सुधार सकती हैं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान दे सकती हैं। असमानता को कम करने में सरकार की नीतियों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। प्रगतिशील कर प्रणाली के साथ ही स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा पर खर्च बढ़ाना जरूरी है, ताकि कमजोर वर्गों को सहारा मिल सके। इन नीतियों का क्रियान्वयन पारदर्शी और प्रभावी होना चाहिए, ताकि उनका वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचे।

देश में बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया जा रहा है, जो आर्थिक वृद्धि के लिए जरूरी भी है। सड़कें, रेल, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क देश की प्रगति को गति देते हैं, लेकिन इसके साथ ही सामाजिक क्षेत्रों जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण में निवेश भी उतना ही जरूरी है। अगर केवल भौतिक विकास पर ध्यान दिया जाए और मानव विकास की उपेक्षा की जाए, तो प्रगति अधूरी ही रह जाएगी। भारत को समावेशी विकास के लिए व्यापक नीति सुधारों की जरूरत है। इसमें श्रम कानूनों को मजबूत करना, छोटे व्यवसायों को ऋण सुविधा और सामाजिक सुरक्षा को विस्तार देना भी शामिल है। इसके साथ ही पिछड़े क्षेत्रों के विकास पर ध्यान देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना जरूरी है। देश की विकास यात्रा भले ही देखने में चमकदार है, लेकिन इसका असली मूल्य तभी समझा जाएगा, जब यह सभी के लिए समान अवसर और समृद्धि लेकर आए। असमानता को कम करने के लिए आर्थिक, सामाजिक और संस्थागत स्तर पर निरंतर प्रयास जरूरी हैं। भारत की आर्थिक प्रगति उसकी क्षमता और दृढ़ता का प्रमाण है, लेकिन असमानता को नजरअंदाज किया गया, तो यह प्रगति टिकाऊ नहीं रह पाएगी।

बोर्ड पर जुर्माने की चेतावनी और रवई तट का सच

–अखिल कुमार यादव –

जनपद मुख्यालय बस्ती में प्रवेश का एक प्रमुख मार्ग अमहट पुल से होकर गुजरता है। यह पुल कुआनो नदी के ऊपर बना है और शहर की देहरी पर कदम रखते ही प्रशासनिक उपस्थिति का अहसास कराता है। पुल पार करते ही बाईं ओर हाल ही में स्थापित अमहट पुलिस चौकी और दाईं तरफ नव–निर्मित सरदार वल्लभभाई पटेल स्मृति उद्यान का भव्य प्रवेशद्वार दिखाई देता है। सुसज्जित हरियाली, सलीके से बने पथ और उद्घाटन का ताजा शिलापट्ट यह सब मिलकर एक ऐसे शहर की छवि गढ़ते हैं जो विकास, अनुशासन और स्वच्छता के दावों के साथ आगे बढ़ रहा है।

उद्यान से सटे एक प्राचीन शिव मंदिर और सामने बनी धर्मशाला की दीवार पर टंगा बड़ा फ्लैक्स बोर्ड इस छवि को कानूनी मजबूती देता है। बोर्ड पर उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्रीय कार्यालय बस्ती की 'आवश्यक सूचना' अंकित है। इसमें राष्ट्रीय हरित अधिकरण, नई दिल्ली में योजित ओ०ए० नं० 613/2022 (एम०ए० सं० 57/2025) राम मिलन साहनी बनाम स्टेट ऑफ यू०पी० व अन्य में 26 जुलाई 2024 को पारित आदेश का हवाला है। आदेश स्पष्ट करता है कि सड़क किनारे, नदियों, जलमार्गों, आर्द्रभूमि, झीलों, नालों, पंचायत या राज्य भूमि तथा विभिन्न प्राधिकरणों के स्वामित्व वाली भूमि पर ठोस अपशिष्ट डालना पूर्णतः प्रतिबंधित है। प्रथम उल्लंघन पर 5,000 रुपये और पुनरावृत्ति पर 10,000 रुपये तक का जुर्मानाय बल्क अपशिष्ट उत्पादकों, होटल, रेस्टोरेंट, बैंक्वेट हॉल, मैरिज हॉल, गेस्ट हाउस, संस्थानकृपर 25,000 से 50,000 रुपये तक का पर्यावरणीय दंड। भुगतान न होने पर भू–राजस्व की भांति वसूली का प्रावधान भी दर्ज है। भाषा कठोर है, चेतावनी साफ है और संदेश निर्विवादकृनदी और सार्वजनिक भूमि पर कचरा डालना अब अपराध है।

लेकिन शहर की कहानी इस फ्लैक्स पर समाप्त नहीं होती। अमहट से लगभग आठ किलोमीटर की दूरी पर, बस्ती सदर विकासखंड के पग्राम पंचायत कोइलपुरा की उत्तरी सीमा पर बहती रवई नदी एक दूसरी तस्वीर सामने रखती है। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार यह नदी रामायण काल से जुड़ी है, कहा जाता है कि इसके जल का उद्गम श्रवण कुमार के माता–पिता के अश्रुओं से हुआ। आस्था की यह कथा नदी को केवल जलधारा नहीं, बल्कि भावनात्मक धरोहर का दर्जा देती है। नदी तट के आसपास राज्य सरकार द्वारा संचालित एक वृहद गौशाला है, उसके बगल समय माता मंदिर और ठीक सामने नगर पालिका परिषद बस्ती द्वारा स्थापित एमआरएफ (मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी) सेंटर। कागजों में यह केंद्र ठोस अपशिष्ट के पृथक्करण, पुनर्चक्रण और वैज्ञानिक निस्तारण की आधुनिक व्यवस्था का प्रतीक है। परंतु जमीनी हकीकत में यहां खुले में पड़ा मिश्रित कचरा, प्लास्टिक की उड़ती थैलियां, सड़ांध और बिखरे अवशेष दिखाई देते हैं। नदी के किनारे और धार्मिक स्थल की छाया में कूड़े का यह अंबार उस फ्लैक्स पर लिखे हर शब्द से प्रश्न करता है।

यह विरोधाभास केवल सौंदर्य या नैतिकता का प्रश्न नहीं, बल्कि कानून और क्रियान्वयन की खाई का संकेत है। जब राष्ट्रीय हरित अधिकरण का आदेश पूरे उत्तर प्रदेश में लागू है, तो क्या नदी तट पर खुले में कचरा जमा होना उसी आदेश का उल्लंघन नहीं है? यदि नियम सड़क किनारे कूड़ा डालने पर प्रतिबंध लगाते हैं, तो क्या एमआरएफ सेंटर के नाम पर अनियंत्रित ढेर लगाना नियमों की भावना के विरुद्ध नहीं? यहां प्रश्न किसी एक संस्था का नहीं, बल्कि जवाबदेही की समूची शृंखला का हैकृनिगरानी किसकी, कार्रवाई किसकी और जवाबदेही किसकी?

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत स्थानीय निकायों की जिम्मेदारी है कि वे स्रोत पर कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित करें, डोर–टू–डोर कलेक्शन की व्यवस्था करें और एमआरएफ केंद्रों को वैज्ञानिक ढंग से संचालित करें। वैज्ञानिक संचालन का अर्थ हैकृढंके हुए शेड, रिसाव (लीचेट) नियंत्रण, नियमित परिवहन, सूखे–गीले कचरे का पृथक्करण और आसपास के पर्यावरण की सुरक्षा। यदि नदी तट पर मिश्रित कचरा खुले में पड़ा है, तो यह न केवल नियमों की भावना के विरुद्ध है, बल्कि जल (प्रदूषण निवारण) अधिनियम, 1974 की मूल अवधारणा जल स्रोतों की रक्षा के भी विपरीत है। पर्यावरणीय दृष्टि से देखें तो स्थिति चिंताजनक है। खुले में पड़ा ठोस अपशिष्ट वर्षा के दौरान रिसाव उत्पन्न करता है, जो भूजल में मिल सकता है। प्लास्टिक और हल्का कचरा हवा या पानी के बहाव से सीधे नदी में पहुंच सकता है। गौशाला की निकटता पशुओं के स्वास्थ्य पर जोखिम बढ़ाती है, कई बार पशु प्लास्टिक या विषाक्त पदार्थ निगल लेते हैं। धार्मिक स्थल के आसपास सड़ांध और मच्छरों का प्रकोप सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। नदी, जो लोककथा में करुणा और त्याग का प्रतीक है, आधुनिक लापरवाही की साक्षी बन जाती है।

यहां प्रशासनिक विरोधाभास और तीखा हो उठता है। अमहट पुल के पास लगे फ्लैक्स पर जुर्माने की चेतावनी है, संदेश यह कि सार्वजनिक भूमि और नदी तट पर कूड़ा डालना अस्वीकार्य है। दूसरी ओर रवई तट पर, उसी प्रशासनिक ढांचे के अंतर्गत, कूड़े का ढेर दिखाई देता है। क्या नियम केवल नागरिकों और निजी संस्थानों के लिए हैं? यदि स्थानीय निकाय स्वयं संचालन में चूक करे, तो दंड का प्रावधान किस पर लागू होगा? जांच और जुर्माने का अधिकार जिस संस्था के पास है, यदि वही संस्था संचालन में विफल हो, तो निष्पक्षता कैसे सुनिश्चित होगी? यह प्रश्न केवल बस्ती का नहीं, बल्कि शहरी शासन की विश्वसनीयता का है।

आंकड़ों की भाषा में बात करें तो नगर क्षेत्रों में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले ठोस अपशिष्ट की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यदि स्रोत–स्तर पर पृथक्करण प्रभावी न हो, तो एमआरएफ सेंटर पर दबाव बढ़ता है और कचरा खुले में जमा होने लगता है। ऐसे में जुर्माने की चेतावनी से अधिक आवश्यक है प्रणालीगत सुधार। पारदर्शिता भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैकृपिछले एक वर्ष में कितने जुर्माने लगाए गए, कितनी राशि वसूल हुई, एमआरएफ सेंटर की क्षमता क्या है और प्रतिदिन कितना कचरा वहां आता है, ये सूचनाएं सार्वजनिक डोमेन में हों तो नागरिक विश्वास बढ़ेगा। सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारियां यदि नियमित रूप से प्रकाशित हों, तो निगरानी स्वतः सुदृढ़ होगी।

स्थानीय निवासियों की आवाज भी इस बहस का हिस्सा है। कोइलपुरा के आसपास रहने वाले लोग बरसात में बदबू और मच्छरों की शिकायत करते हैं। मंदिर आने वाले श्रद्धालु स्वच्छता की अपेक्षा रखते हैं। गौशाला से जुड़े लोग पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। ये आवाजें बताती हैं कि मुद्दा केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। जब आस्था–स्थल और नदी–तट के बीच कूड़े का ढेर खड़ा हो, तो यह केवल नियमों का नहीं, सामूहिक संवेदना का भी उल्लंघन है।

समाधान की दिशा स्पष्ट है, यदि इच्छाशक्ति हो। एमआरएफ सेंटर को वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप विकसित करना, ढंके हुए प्लेटफॉर्म और लीचेट प्रबंधन प्रणाली स्थापित करना, नियमित परिवहन सुनिश्चित करना और स्रोत पर पृथक्करण को कड़ाई से लागू करनाकृये बुनियादी कदम हैं। नदी तट पर सीसीटीवी और संयुक्त निरीक्षण टीमकृजिसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जिला प्रशासन और नागरिक प्रतिनिधि शामिल होंकृ नियमित निगरानी कर सकती है। निरीक्षण रिपोर्ट और की गई कार्रवाई को सार्वजनिक पोर्टल पर अपलोड करने से पारदर्शिता बढ़ेगी। स्कूलों, स्वयंसेवी संगठनों और ग्राम पंचायतों के माध्यम से जन–जागरूकता अभियान चलाकर नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया जा सकता है।

अंततः प्रश्न यह नहीं कि नियम मौजूद हैं या नहींय प्रश्न यह है कि नियमों की आत्मा कितनी जीवित है। अमहट के फ्लैक्स पर अंकित जुर्माना और रवई तट पर पड़ा कूड़ाकृ इन दोनों के बीच की दूरी केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि प्रशासनिक और नैतिक भी है। यदि नदी की धारा को स्वच्छ रखना है, यदि धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की गरिमा बचानी है, यदि नागरिकों का कानून पर विश्वास कायम रखना है, तो बोर्ड पर लिखी चेतावनी को जमीन पर उतारना होगा। अन्यथा जुर्माने की स्याही सूखती रहेगी और नदी का जल प्रश्न पूछता रहेगाकृक्या आदेश केवल फ्लैक्स तक सीमित हैं, या वे सचमुच हमारे शहर की दिशा तय करेंगे?

होर्मुज के अलावा और भी जलडमरूमध्य निशाने पर

–पुष्प रंजन–

ईरान व अमेरिका–इस्राइल युद्ध के बीच पूरी दुनिया का ध्यान होर्मुज जलडमरूमध्य पर है। वजह है ईरान द्वारा इस बेहद व्यस्त व अहम ऊर्जा मार्ग की नाकाबंदी। नियंत्रण की कोशिशों के चलते कई देशों में इस जलमार्ग से जाने वाले तेल–गैस, खाद व फूड की सप्लाई चेन प्रभावित हुई। अब इस जलमार्ग को खुलवाने की जद्दोजहद जारी है। हालांकि होर्मुज के अलावा दुनिया में अनेक जलडमरूमध्य यानी जल गलियारे मौजूद हैं। इनमें कुछ जलमार्ग तो व्यापार व रक्षा रणनीति के तौर पर होर्मुज स्ट्रेट से भी ज्यादा अहमियत रखते हैं। जिन पर नियंत्रण के लिए महाशक्तियों की लगातार नजर व तनातनी रहती है। मसलन हिंद महासागर और प्रशांत महासागर यानी दक्षिण चीन सागर को जोड़ने वाला मलक्का जलडमरूमध्य , ताइवान स्ट्रेट व लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाला बाब–अल–मंडेब स्ट्रेट।

इस समय पूरी दुनिया का ध्यान होर्मुज पर केंद्रित है। लेकिन, आप मलक्का और ताइवान जलडमरूमध्य को मत भूलिए, जो वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण हैं। अमेरिका न केवल होर्मुज के मामले में टांग अड़ाये हुए है, ताइवान जलडमरूमध्य को भी वह अशांत किये रखता है। अमेरिका अब अपना रणनीतिक ध्यान दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री मार्गों में से एक, मलक्का जलडमरूमध्य की ओर मोड़ चुका है। अभी हाल में वाशिंगटन ने इंडोनेशिया के साथ एक रक्षा समझौता किया है, जिससे इंडोनेशियाई हवाई क्षेत्र तक अमेरिकी सेना की पहुंच का विस्तार होना संभव हुआ है। इस समझौते से मलक्का जलडमरूमध्य पर अमेरिका की निगरानी बढ़ने की उम्मीद है।

मलक्का जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ मलक्का) हिंद महासागर और प्रशांत महासागर (दक्षिण चीन सागर) को जोड़ने वाला दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्त समुद्री मार्ग है। लगभग 900 किलोमीटर लंबा यह जलमार्ग इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप और मलेशियाध्थाईलैंड के बीच अवस्थित है। यह वैश्विक व्यापार के लिए एक चोकपॉइंट है, जिससे प्रति वर्ष लगभग 90,000 जहाज गुजरते हैं। इस पर नियंत्रण के लिए चीन और अन्य तटीय देशों के बीच भू–राजनीतिक तनाव बना रहता है। इसलिए, यह न समझें कि ट्रम्प प्रशासन केवल होर्मुज तक केंद्रित है।

चीन और ताइवान के बीच स्थित 'ताइवान जलडमरूमध्य', दक्षिण चीन सागर में चीनी दावों और अमेरिकी नौसेना की उपस्थिति के कारण संघर्ष का केंद्र है। ट्रम्प की वजह से लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाला 'बाब– अल– मंडेब जलडमरूमध्य' भी तनावग्रस्त रहा है, जो सऊदी अरब और यूरोप के बीच तेल परिवहन के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। यमन के हूती विद्रोही अंसारुल्लाह ने चेतावनी दी है, कि यदि ईरान के खिलाफ अमेरिकी कार्रवाई जारी रही, तो वे लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग 'बाब–अल–मंडेब ' को पूरी तरह से बंद कर देंगे।

चीन से 160 किलोमीटर पूर्व में स्थित स्वशासित द्वीप ताइवान एक ऐसा ज्वलंत मुद्दा है, जो परमाणु हथियारों से लैस और आर्थिक रूप से महाशक्तियों चीन और अमेरिका को सीधे युद्ध में धकेल सकता है। चीन ने दशकों में पहली बार 2019 में ताइवान जलडमरूमध्य के ऊपर सैन्य विमान भेजे, और 2020 में 'मध्य रेखा' के अस्तित्व से इनकार करना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडेन के समय भी अमेरिका की वक्र दृष्टि ताइवान जलडमरूमध्य पर बनी रही। अगस्त 2022 में, पूर्व स्पीकर ऑफ द हाउस नैन्सी पेलोसी ने ताइपे का एक बहुचर्चित दौरा किया, जो 1997 के बाद किसी अमेरिकी अधिकारी द्वारा किया गया उच्चतम स्तर का दौरा था। उस समय चीन ने अभूतपूर्व रूप से बड़े सैन्य अभ्यास के साथ जवाब दिया, और तब से ताइवान के आसपास उच्च स्तर की सैन्य गतिविधियां बनाए रखी हैं।

जनवरी 2024 में ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव, और मई 2024 में राष्ट्रपति लाई चिंग–ते के शपथ ग्रहण समारोह सहित कई प्रमुख राजनीतिक घटनाक्रमों के साथ–साथ अमेरिका–चीन–ताइवान के बीच संबंधों में उतार–चढ़ाव होते रहे। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने ताइवान को 11 अरब डॉलर से अधिक का अब तक का सबसे बड़ा हथियार पैकेज बेचने का फैसला किया है। इस सौदे में हिमार्स रॉकेट सिस्टम, मिसाइलें, ड्रोन और स्व–चालित हॉवित्जर शामिल हैं, जो चीन को रोकने के लिए हैं। ट्रंप–शी की संभावित मुलाकात को लेकर अमेरिकी हथियारों की सप्लाई को रोक रखा गया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य भूगर्भीय रूप से लगभग 20,000 वर्ष पहले हिमयुग के अंत में ग्लेशियरों के पिघलने, और समुद्र के स्तर में वृद्धि के कारण अस्तित्व में आया, जिससे फारस की खाड़ी में पानी भर गया। तब यह जलडमरूमध्य एक समुद्री मार्ग के रूप में बना। 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' पश्चिम एशिया का एक प्रमुख जल गलियारा है, जो ईरान के दक्षिण में फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से अलग करता है। इसके दक्षिण में संयुक्त अरब अमीरात और ओमान का मुसन्दम नामक बहिक्षेत्र है। सदियों से यह व्यापार का एक महत्वपूर्ण मार्ग रहा है, विशेष रूप से 16वीं शताब्दी में पुर्तगालियों के कब्जे और नियंत्रण के बाद, जिसने इसे और अधिक रणनीतिक बना दिया। होर्मुज को दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण तेल चोकपॉइंट मान लिया गया है। वैश्विक तेल और प्राकृतिक गैस का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इस मार्ग से गुजरता है। यह क्षेत्र पश्चिम में फारस की खाड़ी और दक्षिण–पूर्व में ओमान की खाड़ी को जोड़ता है। साल 1507 में अफोंसो डी अल्बुकर्क के नेतृत्व में पुर्तगालियों ने होर्मुज पर कब्जा किया, जो फारस की खाड़ी और भारत के बीच व्यापार मार्ग को नियंत्रित करने के वास्ते बनाई रणनीति का हिस्सा था। साल 1515 में स्थायी नियंत्रण के बाद, पुर्तगालियों ने वहां एक मजबूत किला बनाया, और 1622 तक इस रणनीतिक समुद्री मार्ग पर एकाधिकार बनाए रखा, जो उनके पूर्वी व्यापार के लिए महत्वपूर्ण था।

होर्मुज, फारस की खाड़ी का प्रवेश द्वार था। इस पर नियंत्रण का अर्थ था मसालों व घोड़ों के व्यापार पर कब्जा, और मुस्लिम जहाजों को भारत जाने से रोकना। अफोंसो दे अल्बुकर्की कुछ लोग उन्हें 'अफोंसो दे अल्बुकर्क', भी बोलते थे, एक पुर्तगाली सेनापति, एडमिरल था, जो गोवा का पहला ड्यूक बना। उसने 1509 से 1515 तक पुर्तगाली भारत में राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं, जिसके दौरान उसने हिंद महासागर में पुर्तगाली प्रभाव को बढ़ाया, और एक उग्र और कुशल सैन्य कमांडर के रूप में अपनी प्रतिष्ठा बनाई।

अल्बुकर्क ने 1507 में होर्मुज पर हमला किया, और वहां किला बनाया, लेकिन 1508 में वे वहां से हट गए। साल 1515 में उन्होंने वहां फिर से अपना नियंत्रण स्थापित किया। उसके रहते पुर्तगालियों ने खाड़ी तट के आसपास कई किले और गढ़ बनाए, जिससे वे इस क्षेत्र के आर्थिक मामलों को नियंत्रित कर सकें।

अक्षय तृतीया पर्वः लोक से लोकोत्तर की यात्रा

–ललित गर्ग –

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर–दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। अक्षय शब्द का अर्थ है कभी न खत्म होने वाला। संस्कृत में, अक्षय शब्द का अर्थ है 'समृद्धि, आशा, खुशी, सफलता', जबकि तृतीया का अर्थ है 'चंद्रमा का तीसरा चरण'। इस त्यौहार के साथ–साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू–जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। इस प्रकार अक्षय तृतीया पर किए गए कार्यों जैसे जप–तप, यज्ञ, पितृ–तर्पण, दान–पुण्य आदि का साधक को अक्षय फल प्राप्त होता है। भगवान आदिनाथ ने ही सबसे पहले समाज में दान का महत्व समझाया था, इसलिए इस दिन पर जैन धर्म के लोग आहार दान, ज्ञान दान, औषधि दान करते हैं। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व त्यौहार के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर–भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। आज के युद्ध, आतंक, आर्थिक प्रतिस्पर्धा एवं अशांति के समय में संयम एवं तप की, भौतिकता एवं आध्यात्मिकता की अक्षय परम्परा को जन–जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है।

अक्षय तृतीया यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय चेतना की उस अखंड धारा का प्रतीक है, जो जीवन को क्षणभंगुरता से उठाकर 'अक्षयता' की ओर ले जाती है। 'अक्षय' अर्थात् जो कभी क्षीण न हो, जो निरंतर प्रवहमान रहे, ऐसी ही भावना का यह पर्व है, जो हमारे लौकिक व्यवहार से लेकर लोकोत्तर साधना तक, हर स्तर पर गहन अर्थ रखता है। यह दिन केवल शुभारंभ का नहीं, बल्कि आत्मारंभ का भी दिन है। भारतीय परंपरा में अक्षय तृतीया को 'अबूझ मुहूर्त' कहा गया है–अर्थात् ऐसा समय, जिसमें किसी विशेष गणना या ज्योतिषीय विचार की आवश्यकता नहीं होती। यह स्वयं ही शुभता का पर्याय है। यही कारण है कि इस दिन विवाह, गृहप्रवेश, व्यापारारंभ जैसे अनेक मांगलिक कार्य बिना किसी संकोच के सम्पन्न किए जाते हैं। यह विश्वास केवल आस्था नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक अनुभव का परिणाम है, जिसने इस दिन को 'सर्वसिद्धिदायक' मान्यता प्रदान की है।

लौकिक दृष्टि से देखें तो अक्षय तृतीया भारतीय अर्थव्यवस्था और श्रम–संस्कृति से गहराई से जुड़ी हुई है। यह दिन किसानों के लिए नई आशा का संदेश लेकर आता है। प्राचीन काल में राजाओं द्वारा श्रेष्ठ किसानों को बीज भेंट करने की परंपरा केवल सम्मान का प्रतीक नहीं थी, बल्कि कृषि को राष्ट्र की आत्मा मानने का सजीव प्रमाण थी। यह विश्वास कि इन बीजों से उत्पन्न अन्न कभी समाप्त नहीं होगा, दरअसल उस श्रम और प्रकृति के समन्वय पर आस्था थी, जो भारतीय जीवन का आधार है। कुम्हारों, शिल्पकारों, पशुपालकों–विशेषकर बैलों के लिए भी यह दिन विशेष महत्व रखता है। यह पर्व हमें यह स्मरण कराता है कि सृजन, श्रम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता ही समृद्धि का वास्तविक आधार है। किन्तु अक्षय तृतीया का वास्तविक सौंदर्य उसके लोकोत्तर आयाम में प्रकट होता है, जहाँ यह पर्व आत्मशुद्धि, तप और साधना का महापर्व बन जाता है। जैन परंपरा में यह दिन विशेष रूप से पूज्य है, क्योंकि इसका संबंध प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण घटना से जुड़ा हुआ है। यह वह दिन है, जब दीर्घकालीन तपस्या के उपरांत उनका पारणा हुआ, एक ऐसा क्षण, जिसने तप को तृप्ति और साधना को पूर्णता प्रदान की।

दैनिक भारतीय बस्ती

बस्ती 20 अप्रैल 2026 सोमवार

अयोध्या, गोण्डा, बहराइच, महराजगंज, देवरिया, कुशीनगर

कार्यालय ग्राम हड़िया वि.खं. साऊंघाट, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **हड़िया** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **हड़िया** के निविदा बाक्स में दिनांक 04–05–2026 तक अपरान्ह 11:30 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 02:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहर धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 20–04–2026 से दिनांक 02–05–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **हड़िया** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **हड़िया** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **हड़िया** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(इन्द्रजीत चौहान) प्रधान ग्राम पंचायत–हड़िया

(यशवर्धन) सचिव ग्राम पंचायत–हड़िया

कार्यालय ग्राम मझौवा जगत वि.खं. साऊंघाट, जिला-बस्ती

अल्पकालिक निविदा आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत **मझौवा जगत** द्वारा पंचम राज्य वित्त/पन्द्रहवा वित्त केन्द्रीय वित्त/मनरेगा/वीबी–जीरामजी/राष्ट्रीयग्राम स्वराज/अभियान/स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण/एस०एल०डब्लू०एम०/सांसद निधि/विधायक निधि / अन्त्येष्टि स्थल का विकास/ मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सहित अन्य योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2026–27 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु ईट, ईट गिट्टी, सीमेंट, लोकल सैड, बालू, मोरंग, मिट्टी दुलाई सहित, पत्थर गिट्टी, इण्टरलाकिंग ईट 80 एम०एम०, सरिया, ऐंगिल, फेंसिंग जाली, जी०आई० शीट, हयूम पाइप 250 एम०एम० व्यास से 900 एम०एम० व्यास तक सभी साइज, बेंच, डस्टबिन, सोलर लाइट, स्ट्रीट लाइट, विद्युत व इलेक्ट्रानिक उपकरण, इण्डिया मार्का हैण्डपम्प मम्मत व रिबोर से जुडे सामग्री व उपकरण, पेंटिंग, पलम्बिंग सामग्री, फागिंग मशीन व रसायन, सफाई उपकरण, कुर्सी, मेज, अलमारी, स्टेशनरी, साइनबोर्ड, शिलापट्ट, ठेला, ई रिक्शा आदि के आपूर्ति हेतु निविदा दर तथा वांछित एक प्रपत्र बन्द लिफाफे में कार्यालय ग्राम पंचायत **मझौवा जगत** के निविदा बाक्स में दिनांक 23–04–2026 तक अपरान्ह 10:30 बजे तक डाली जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 11:00 बजे आपूर्तिकर्ता या उसके प्रतिनिधि के उपस्थिति में कार्यालय ग्राम पंचायत में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताएं पूर्ण की जायेगी। धरोहरं धनराशि मु० 5000–00 (पांच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र दिनांक 18–04–2026 से दिनांक 22–04–2026 तक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है।

1– जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगा उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा।
2– आपूर्तिकर्ता का जी०एस०टी० का रजिस्ट्रेशन तथा आयकर देने का प्रमाण पत्र की प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है।
3– कार्यालय ग्राम पंचायत **मझौवा जगत** द्वारा नामित कर्मचारियों तथा आपूर्तिकर्ताओ की उपस्थिति में निविदा निर्धारित तिथि, समय व स्थान पर खोला जायेगा।
4– सामग्री / उपकरण की आपूर्ति ग्राम पंचायत **मझौवा जगत** की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी अलग से कोई ढुलाई व्यय देय नही होगी।
5– जो दरें प्रस्तुत की जाय जी०एस०टी० तथा कार्टेज एवं अन्य कर जोडकर प्रस्तुत की जाय।
6– सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत के आदेश पर की जायेगी।
7– सामग्री / उपकरण की मात्रा तथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है।
8– प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नही होगा।
9– आपूर्तिकर्ता के बिल से नियमानुसार आयकर तथा जी०एस०टी० काटी जायेगी।
10– धरोहर की धनराशि नकद अथवा राष्ट्रीयकृत बैंक के एफ०डी०आर० पत्र/एन०एस०सी०/डाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **मझौवा जगत** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है।
11– आपूर्ति दर स्वीकृत होने के बाद ग्राम पंचायत के आपूर्ति आदेश से सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य होगा।
12– ग्राम प्रधान / सचिव/पंचायत सहायक/रोजगार सेवक / तकनीकी सहायक/कन्सल्टिंग इन्जीनियर तथा उनके सगे संबंधी रिश्तेदार द्वारा निविदा प्रस्तुत नहीं की जायेगी।
13– आपूर्तिकर्ता को भुगतान अवर अभियन्ता आर०ई०डी०/अवर अभियन्ता / कन्सल्टिंग अभियन्ता के द्वारा गुणवत्ता एवं मात्रा प्रमाणित होने एवं मापन के बाद ही होगा।
14– निविदा फार्म ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 50 रू0 है पर ही स्वीकृत की जायेगी।
15– सामग्री / उपकरण आपूर्ति के सम्बन्ध में शर्ते व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।
16– निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत के पास होगा।

(बृजनरायण सिंह) प्रधान ग्राम पंचायत–मझौवा जगत

(लालजी कन्नौजिया) सचिव ग्राम पंचायत–मझौवा जगत

सड़क हादसे मे साले का सिर धड़ से अलग, जीजा का पैर कटा

राजू गौतम, मृतक

संवाददाता–श्रावस्ती। सिरसिया थाना क्षेत्र के सैनिक मार्ग पर शनिवार देर शाम भीषड़ सड़क हादसा हुआ। बेकाबू बाइक क्रैश बैरियर से टकरा गई और बाइक सवार साले का सिर कटकर धड़ से अलग हो गया व बहनोई समेत दो लोग गंभीररूप से घायल हो गए। एसएसबी जवानों ने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिनगा भिजवाया जहां से उन्हें मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया गया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ककदरी गांव निवासी राजू (27) पुत्र राम समुझ शनिवार को अपने बहनोई के घर क्षेत्र के ही भरथा रोशनगढ़ आया था। जहां से शाम को बहनोई सीताराम (28) पुत्र अशर्फी लाल व रिस्तेदार गगन (16) पुत्र परशुराम के साथ वह एक ही बाइक से अंबेडकर जयंती समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने सिरसिया क्षेत्र के ताल बघौड़ा आया था।

कार्यक्रम में शामिल होकर तीनों देर शाम को वापस घर लौट रहे थे। सैनिक मार्ग पर छोटी सुइया व खैरी तराई गांव के बीच बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे क्रैश बैरियर (लोहे की सुरक्षा रेलिंग) से जा टकराई। इससे बाइक चला रहे साले राजू का सिर कटकर धड़ से अलग हो गया। इससे उसकी मौत हो गई। वहीं बहनोई सीताराम व रिस्तेदार गगन भी गंभीररूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। लोगों की ओर से घटना की सूचना एसएसबी सीमा चौकी व पुलिस को दी गई। सूचना पर एसएसबी सीमा चौकी कमांडर उप निरीक्षक शशिकांत व सहायक उप निरीक्षक दिनेश सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। साथ ही राजपुर मोड़ पुलिस चौकी की पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई। एसएसबी जवानों ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिनगा भिजवाया। साथ ही आगे की कार्रवाई के लिए शव को राजपुर मोड़ पुलिस चौकी पहुंचाया। जहां पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।घायल ट्रामा सेन्टर लखनऊ रेफर किए गएरू सड़क हादसे के बाद मृतक के बहनोई समेत दोनों घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिनगा ले जाया गया। जहां उनकी हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें मेडिकल कालेज लखनऊ रेफर कर दिया। रेफर होने पर परिजनों की ओर से दोनों घायलों को ट्रामा सेंटर लखनऊ ले जाया गया है। बताया जाता है कि बाइक की रफ्तार तेज थी। साथ ही एक ही बाइक पर तीन लोग सवार थे। सामने से आ रहे ई–रिक्शा को क्रास करते ही रफ्तार की वजह से बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे सुरक्षा के लिए लगी टीन के क्रैश बैरियर से टकरा गई। इससे बड़ा हादसा हो गया।

पारा 40 डिग्री पार, तेज धूप से लोग बेहाल

संवाददाता–बलरामपुर। बीते तीन दिनों से जिले में पारा फिर तेजी से चढ़ रहा है। भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। रविवार को दोपहर में 40 डिग्री पारा पार हो गया। ऐसे में झुलसाती धूप से सड़कें दोपहर में सूनी हो गईं। लोग गर्मी से बेहाल दिखे। घर से बाहर निकले तो धूप से चेहरे को बचाने के लिए बाइक सवारों ने गमछा भी लपेट लिया। तेज गर्मी में खुद को तरोताजा रखने के लिए लोग गन्ने का जूस पीते दिखे। अप्रैल में ही जून की गर्मी का एहसास होने लेगा है। तेज धूप व लू ने मुसीबत बढ़ा दी है।

गड्ढे में उतराता मिला मासूम का शव

संवाददाता–बहराइच। एक तीन वर्षीय बेटी शनिवार को दोपहर में खेलते समय लापता हो गई। परिजनों ने उसे गांव में तलाश डाला। जब शनिवार शाम घर के बाहर पानी के गढ्ढे में मासूम का शव उतराता मिला। तो परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रविवार को पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। रानीपुर थाने के कालीपुर के मजरे गौड़रिया गांव में शनिवार दोपहर में विक्रम चौहान पुत्र जयनंदन की बेटी नेहा (3) घर के आंगन में खेल रही थी। जबकि महिलाए रसोईघर में भोजन बना रही थी। नेहा खेलते खेलते लापता हो गई।

कुछ समय बाद जब नेहा आंगन व घर के बाहर नजर नही आई। तो उसकी तलाश शुरू हुई। सभी संभावित जगहो पर तलाश की गई। उसका कोई सुराग नही लगा। शाम को घर के बाहर स्थित पानी के सोख्ता गढ्ढे में मासूम का शव उतराता मिला तो परिजनों में हाहाकार मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर रविवार को दोपहर में पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।

जमानत पर छूटे हत्याकांड के आरोपी ने निकाला विजय जुलूस, शक्ति प्रदर्शन, दहशत में मृतक सपा नेता का परिवार

संवाददाता–गोण्डा। सपा नेता ओम प्रकाश सिंह हत्याकांड के आरोपी उदयभान उर्फ लल्लन सिंह ने जमानत पर रिहा होने के बाद विजय जुलूस कर शक्ति प्रदर्शन किया है। 15 अप्रैल को जेल से छूटने के बाद आरोपी ने गोंडा जेल से अपने घर तक समर्थकों के साथ कई किलोमीटर तक शक्ति प्रदर्शन किया।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बड़ी संख्या में गाड़ियां और मोटरसाइकिलें जुलूस में शामिल थीं। समर्थक लल्लन दादा जिंदाबाद और जेल का ताला टूट गया, शेर हमारा छूट गया जैसे नारे लगा रहे थे। यह वीडियो 15 अप्रैल का बताया जा रहा है।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सीओ करनैलगंज अभिषेक ने पूरे मामले में परसपुर पुलिस को जांच करके कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। शक्ति प्रदर्शन और विजय जुलूस निकाले जाने के बाद मृतक सपा नेता ओम प्रकाश सिंह के छोटे–छोटे बच्चे दहशत में है और वह अब घर से नहीं निकल रहे हैं। उदयभान उर्फ लल्लन सिंह को 19 जुलाई 2024 को परसपुर थाना क्षेत्र के राजा टोला मोहल्ले में हुए सपा नेता ओम प्रकाश सिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी बनाया गया था। परसपुर पुलिस ने 23 जुलाई को उसे मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर जेल भेजा था। 21 महीने बाद जमानत पर रिहा हुए आरोपी के इस शक्ति प्रदर्शन से मृतक सपा नेता के परिजनों में दहशत का माहौल है। परिजन इस मामले में कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आरोपी उदयभान को कई शर्तों पर जमानत मिली थी। 15 अप्रैल की देर शाम उसे गोंडा मंडलीय कारागार से रिहा किया गया था। आरोप है कि जमानत की शर्तों का खुलेआम उल्लंघन करते हुए यह जुलूस निकाला गया। हालांकि वीडियो वायरल होने के बावजूद परसपुर थाने की पुलिस ने आरोपी पर कोई कार्रवाई नहीं की है। इस मामले का संज्ञान लेते हुए सीओ करनैलगंज अभिषेक ने परसपुर पुलिस को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। एक तरीके से लोगों के अंदर दहशत फैलाने का भी काम जेल से छूटे आरोपी द्वारा किया गया है।

विषैले जीव के काटने से हुई युवक की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। रात में फर्श पर सो रहे एक युवक को किसी विषैले जीव ने काट लिया। गंभीर हालत में युवक को अस्पताल ले जाया गया। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।गिलौला थाना क्षेत्र के पिपरा गांव निवासी राम गोपाल साहू (30) पुत्र जमुना प्रसाद गांव के बाहर पिपरा चौराहे पर बने अपने नए मकान में शनिवार रात फर्श पर सो रहे थे। इस दौरान रात में उसे किसी विषैले जीव ने काट लिया। चिल्लाने पर परिजन जग गए और आनन फानन में राम गोपाल को ले जाकर सीएचसी गिलौला पहुंचे।

जहां हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कालेज बहराइच रेफर कर दिया। इस पर परिजन उसे लेकर मेडिकल कालेज बहराइच पहुंचे। जहां भर्ती कर इलाज शुरू हुआ। इलाज के दौरान राम गोपाल की मौत हो गई। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव लेकर घर चले आए। राम गोपाल के दो बच्चे हैं। एक छह वर्ष का और दूसरा अभी महज पांच महीने का है। पिता की मौत से दोनों बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी पत्नी पर आ गई है। परिजनों का रो रोकर हाल बेहाल है।

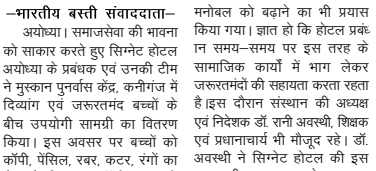

दिव्यांग बच्चों के चेहरे खिले, मिली लेखन सामग्री

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। समाजसेवा की भावना को साकार करते हुए सिग्नेट होटल अयोध्या के प्रबंधक एवं उनकी टीम ने मुस्कान पुनर्वास केंद्र, कनीगंज में दिव्यांग एवं जरूरतमंद बच्चों के बीच उपयोगी सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर बच्चों को कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर, रंगों का सेट, सैंडविच तथा ट्रॉफी प्रदान की गई। कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चे उपस्थित रहे। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे और पूरे परिसर में उत्साह का माहौल दिखाई दिया।सिग्नेट होटल की टीम ने बच्चों के साथ समय बिताया और उन्हें पढ़ाई के लिए प्रेरित किया। यह पहल केवल सामग्री वितरण तक सीमित नहीं रही, बल्कि बच्चों के मनोबल को बढ़ाने का भी प्रयास किया गया। ज्ञात हो कि होटल प्रबंधन समय–समय पर इस तरह के सामाजिक कार्यों में भाग लेकर जरूरतमंदों की सहायता करता रहता है।इस दौरान संस्थान की अध्यक्ष एवं निदेशक डॉ. रानी अवस्थी, शिक्षक एवं प्रधानाचार्य भी मौजूद रहे। डॉ. अवस्थी ने सिग्नेट होटल की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाते हैं और उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने होटल प्रबंधन को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया।कार्यक्रम ने यह संदेश दिया कि समाज के सक्षम वर्ग के सहयोग से जरूरतमंद बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

रहस्यमय परिस्थितियों में एक ही गांव की दो किशोरियां लापता

संवाददाता–देवरिया। श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के एक ही गांव की दो किशोरियां रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई हैं। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार शनिवार की सुबह करीब सात बजे दोनों किशोरियां गांव से कुछ दूरी पर स्थित एक चौराहे की ओर गई थीं। काफी देर बीत जाने के बाद भी जब वे वापस नहीं लौटीं तो परिजनों को चिंता हुई। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं लग सका। थक–हारकर परिजन थाना पहुंचे और पुलिस को लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। आसपास के क्षेत्रों में तलाश की जा रही है। जल्द ही दोनों किशोरियों को बरामद कर लिया जाएगा।

युवक को बेरहमी से पीटकर मार डाला, तीन के खिलाफ हत्या का केस

संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा थाना क्षेत्र के पिपरा खल्ली गांव में अकटहवा नहर के पास पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के एक युवक की पीट–पीटकर बेरहमी से हत्या की घटना से सनसनी मच गई। इस मामले में तीन आरोपितों के खिलाफ हत्या के आरोप में केस दर्ज किया गया है। आरोपितों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के बरगदवा गांव निवासी युवक अमजद अली के पिता अकबर अली ने फरेंदा पुलिस को तहरीर दी है कि गांव के ही आरोपित शनिवार को उसे अपने साथ ले गए थे। आरोप है कि फरेंदा थाना क्षेत्र में पिपरा खल्ली गांव के समीप अकटहवा नहर के पास रात में आरोपितों ने अमजद के साथ मारपीट की। इससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना में युवराज चौधरी नाम का युवक घायल हो गया। फरेंदा थानाध्यक्ष योगेंद्र राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीन आरोपितों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत की वजह स्पष्ट होगी। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कई बिन्दुओं पर जांच की जा रही है। साक्ष्य के आधार पर हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा।

परशुराम जयंती पर निकली शोभायात्रा

संवाददाता–बहराइच। परशुराम जयंती के अवसर पर ब्राह्मण समाज द्वारा भव्य शोभायात्रा निकाली गई। नगर समेत ग्रामीण इलाकों में आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह सहित कई प्रमुख हस्तियां भी विभिन्न आयोजनों में शामिल हुईं। परशुराम सेवा प्रकोष्ठ की ओर से एक मुख्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा मरी माता मंदिर से शुरू होकर रमपुरवा स्थित परशुराम मंदिर तक निकाली गई, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान पूरा मार्ग भगवान परशुराम के जयघोष से गूंज उठा। ढोल–नगाड़ों और जयकारों के साथ श्रद्धालु आगे बढ़ते रहे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बन गया। जगह–जगह लोगों ने शोभायात्रा का स्वागत किया और पुष्प वर्षा की।

रमपुरवा स्थित परशुराम मंदिर पहुंचने पर भक्तों द्वारा विधिवत पूजा–अर्चना और आरती की गई। इस अवसर पर समाज की सुख–समृद्धि और एकता के लिए भगवान से प्रार्थना की गई। सवर्ण आर्मी प्रमुख सर्वेश पांडे की ओर से जनपद के पयागपुर इलाके में भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, पयागपुर के भाजपा विधायक सुभाष त्रिपाठी, निशंक त्रिपाठी और ब्लॉक प्रमुख अजीत प्रताप सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र नाथ तिवारी ने समाज को एकजुट रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि विप्र समाज को लगातार बांटने की साजिशें की जा रही हैं, लेकिन यह बुद्धिजीवी समाज कभी विभाजित नहीं होगा। उन्होंने सभी से आपसी सहयोग और एकता बनाए रखने की अपील की।

ताड़ के पेड़ से गिरकर पूर्व सभासद की मौत

संवाददाता–देवरिया। नगरपालिका बरहज के पटेल नगर पूर्वी केवटलिया में रविवार की दोपहर ताड़ के पेड़ से ताड़ी उतारते समय पेड़ से गिरकर पूर्व सभासद की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पटेल नगर पूर्वी निवासी कोदई सोनकर (50) पुत्र स्व. सुधू सोनकर रविवार दोपहर करीब बारह बजे ताड़ी उतारने के लिए मोहल्ले में ही ताड़ के पेड़ पर चढ़े थे। उपर पहुंचने के बाद अचानक पैर फिसल गया। ऊंचाई से नीचे गिरने से सिर और शरीर में कई जगह चोट लग गई। थोड़ी से हरकत के बाद अचेतावस्था में आ गए। परिजन आनन–फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहज लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कोदई सोनकर नगर पालिका गौरा बरहज के सभासद रह चुके हैंमौत की खबर पहुंचते ही मचा कोहराममौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। पत्नी व बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी, तीन बेटे व पांच बेटियां छोड़ गए हैं। वह परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। ताड़ी उतारकर ही परिवार का भरण–पोषण करते थे।

स्कूल के पीछे पेड़ से लटकता मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

संवाददाता–देवरिया। जिले के भटनी बाईपास मार्ग पर स्थित एक स्कूल के पीछे रविवार की सुबह पेड़ पर एक युवक का शव लटकता हुआ पाया गया। शव को देख आस–पास के लोगों ने स्थानीय पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस की जांच में पेड़ से लटकते हुए युवक की पहचान रामपुर खुरहुरिया निवासी सूरज राजभर के रूप में हुई है। परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए जांच की मांग रखी है। रामपुर खुरहुरिया निवासी सूरज राजभर पुत्र मधु राजभर का शव जेडी पब्लिक स्कूल के पीछे पेड़ से लटकता हुआ देखा गया। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर थानेदार मृत्युंजय राय ने मौके पर पहुंचकर मामले की छानबीन शुरू की। युवक के शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेजा गया। क्षेत्राधिकारी अंशुमान श्रीवास्तव ने भी मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस को परिजनों ने हत्या की आशंका जाहिर करते हुए तहरीर दी है। युवक के मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया । युवक के हत्या की आशंका जताते हुए आस पास के ग्रामीण मौके पर एकत्रित हो गए।इस संबंध में सीओ अंशुमान श्रीवास्तव ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए देवरिया भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। युवक के मोबाइल की कॉल डिटेल के आधार पर मौत के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

संत के साथ मार्गदर्शक भी थे गुरुदेव भगवान–शरद दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राजगोपाल मंदिर में पूज्य साकेतवासी महंत कौशल किशोर दास जी 'फलाहारी महाराज' की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित मानस संगम महोत्सव में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। इस पावन अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष संकट मोचन सेना के महंत संजय दास जी महाराज, श्रृंगी ऋषि पीठाधीश्वर महंत हेमंत दास महाराज एवं मंदिर के संरक्षक,व्यवस्थापक महंत शरद दास महाराज सहित अनेक साधु–संत उपस्थित रहे और भगवान के चरणों में श्रद्धापूर्वक नमन किया। श्री महाराज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर 18 अप्रैल से मानस पाठ श्री सीताराम नाम संकीर्तन का शुभारंभ हुआ श्री महाराज जी की पुण्यतिथि 21 अप्रैल को श्रद्धांजलि सभा के साथ मनई जाएगी। राजगोपाल मंदिर परिसर में भक्ति का वातावरण इस प्रकार सजीव हो उठा, श्रद्धालुओं ने भजन–कीर्तन और रामचरितमानस के पाठ के माध्यम से अपनी आस्था व्यक्त की। महंत शरद दास महाराज ने बताया कि गुरुदेव भगवान का जीवन अत्यंत सरल, तपस्वी और लोककल्याण के लिए समर्पित रहा। वे सदैव फलाहार करते थे और कठोर साधना के माध्यम से समाज को संयम, सेवा और भक्ति का संदेश देते रहे। उनकी वाणी में इतनी मधुरता और प्रभाव था कि जो भी उनके संपर्क में आता, वह आध्यात्मिक मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित हो जाता था।उन्होंने बताया कि महाराज जी ने अपने जीवनकाल में अयोध्या की धार्मिक परंपराओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे केवल एक संत ही नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक भी थे, जिन्होंने समाज को सद्भाव, करुणा और धर्म के प्रति निष्ठा का पाठ पढ़ाया। आज भी उनकी स्मृतियां भक्तों के हृदय में जीवित हैं और उनके बताए मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती हैं।ज्ञात हो कि महंत कौशल किशोर दास जी महाराज की पुण्यतिथि 21 अप्रैल को श्रद्धापूर्वक मनाई जाएगी। महाराज जी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा जिसमें श्री महाराज जी की स्मृतियों को अपनी शब्द माला द्वारा समाज को बताएंगे।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से अधेड़ की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र के गनवरिया गांव में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में अधेड़ की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की ठोकर से गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति ने जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान सिद्धार्थनगर जनपद के खेसरहा थाना क्षेत्र के लमुईताल गांव निवासी 50 वर्षीय अदालत पुत्र किन्नू के रूप में हुई है। वह पिछले चार माह से बेलहर क्षेत्र के गनवरिया गांव स्थित अपने भांजे धर्मेंद्र मद्धेशिया के घर पर रह रहे थे।

सड़क हादसे में आठ वर्षीय मासूम की मौत, भाई घायल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बिस्कोहर कस्बे के परशुराम तिराहे के पास रविवार दोपहर सड़क हादसे में आठ वर्षीय मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसका छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। पास के निजी अस्पताल में इलाज के बाद डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया। त्रिलोकपुर थाने के बुढ़ी गांव निवासी दुर्विजय यादव रविवार को बाइक से अपने दोनों बेटों अंश उर्फ अंकुश (8) और आदित्य (6) के साथ बिस्कोहर में कुछ सामानों की खरीदारी करने गए हुए थे। जहां से सामानों की खरीदारी कर दोपहर में वह घर लौट रहे थे। वह परशुराम तिराहे के पास सुनील हार्डवेयर के दुकान के सामने पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज रफ्तार में आई बिना नंबर प्लेट की कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक सड़क पर गिर गई और दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों की मदद से दोनों घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने अंश उर्फ अंकुश को मृत घोषित कर दिया। वहीं छोटे भाई आदित्य का प्राथमिक उपचार कर उसे घर भेज दिया गया। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' के शुभारंभ का हुआ सजीव प्रसार

संवाददाता–गोरखपुर। भारतीय संस्कृति, आस्था और श्रद्धा के प्रतीक 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अंतर्गत लखनऊ से रविवार को 'सोमनाथ स्वाभिमान यात्रा' का शुभारंभ किया गया। जिसका गोरखपुर के गंगेश्वर महादेव मंदिर परिसर में दोपहर बाद 4रू00 बजे सजीव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव रहें। संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश की ओर से इस यात्रा के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक विरासत और आस्था के संदेश को जन–जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर के उप निदेशक एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र के प्रभारी डॉ. यशवंत सिंह राठौर ने बताया कि इस अवसर पर शहर के विभिन्न स्थानों पर शिव भजन, ओंकार जाप एवं सोमनाथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस क्रम में जेल रोड स्थित शिव शक्ति मंदिर, गोरखनाथ स्थित मानसरोवर मंदिर, भरोहिया स्थित पीतेश्वर झारखंडी मंदिर, प्राचीन महादेव झारखंडी मंदिर एवं गंगेश्वर महादेव मंदिर में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

देश में सबसे ज्यादा फसल अवशेष सिद्धार्थनगर में जलाए गए

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। देश में फसल अवशेष जलाने की सर्वाधिक घटनाएं उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद में सामने आई हैं। इसके बाद उज्जैन 1909, होसंगाबाद 1705 और रायसेन 1628 मामलों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। यह खुलासा हुआ है अंतरिक्ष आधारित कृषि पारिस्थि निगरानी एवं मॉडलिंग के लिए अनुसंधान संघ (क्रीम्स प्रयोगशाला) और भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर– आईएआरआई) की रिपोर्ट में क्रीम्स लैब की रिपोर्ट के मुताबिक, उपग्रह रिमोट सेंसिंग तकनीक और 'स्टैंडर्ड प्रोटोकॉल फॉर एस्टीमेशन ऑफ क्रॉप रेजिड्यू बर्निंग' के माध्यम से फसल अवशेष जलाने के आंकड़े संकलित किए गए। 1 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच देश के पांचों राज्यों में कुल 22,850 घटनाएं दर्ज की गईं।

इसमें सर्वाधिक 16,495 मामले मध्य प्रदेश में, जबकि उत्तर प्रदेश में 6,320 मामले सामने आए। अन्य राज्यों में पंजाब में 8, हरियाणा में 24 और दिल्ली में 3 घटनाएं दर्ज की गई।सूबे में गोरखपुर–बस्ती मंडल आगे1 अप्रैल से 17 अप्रैल तक के आंकड़ों के अनुसार सूबे के जनपदों में गेहूं के फसल अवशेष जलाने के मामलों में वर्ष 2026 में चिंताजनक वृद्धि दर्ज की गई है। प्रदेश में कुल मामलों की संख्या 2025 के 3464 के मुकाबले बढ़कर 6320 हो गई, जो कि लगभग दोगुना इजाफा दर्शाती है। इनमें भी सर्वाधिक मामले गोरखपुर और बस्ती मंडल में है। सिद्धार्थनगर में सबसे अधिक 2600 मामले सामने आए। वहीं गोरखपुर में 798 और महराजगंज में 642 मामले दर्ज किए गए। संतकबीरनगर 653 और देवरिया 438 में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। बस्ती में 380 मामले दर्ज हुए, जो पिछले वर्ष के 114 से काफी अधिक हैं। हालांकि कुशीनगर में अपेक्षाकृत कम 13 मामले सामने आए (सख्ती में सुस्ती, न जुर्माना लगा–न ही एफआईआर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा फसल अवशेष जलाने को दंडनीय अपराध घोषित है। 02 एकड़ से कम क्षेत्र में पराली जलाने पर 5000 रुपये, 2 से 5 एकड़ तक 10,000 रुपये और 5 एकड़ से अधिक क्षेत्र में 30,000 रुपये तक जुर्माने का प्रावधान है। लेकिन गोरखपुर जनपद में एक भी किसान पर न जुर्माना लगा है, न ही एफआईआर दर्ज हुई है।पर्यावरणविदों ने जताई चिंतापर्यावरणविद गोविंद पाण्डेय कहते हैं कि फसल अवशेष जलाने की यह बढ़ती प्रवृत्ति पर्यावरण और जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है। हेरिटेज फाउंडेशन के मनीष चौबे कहते हैं कि फसल अवशेष जलाने से मिट्टी की ऊपरी परत में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव नष्ट हो जाते हैं। इससे वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। 2026 में फसल अवशेष जलाने के मामलेजनपद 2022 2023 2024 2025 2026सिद्धार्थनगर 1266 1405 1063 1612 2600गोरखपुर 64 141 33 136 798संतकबीरनगर 231 311 71 266 653महराजगंज 432 716 537 686 642देवरिया 13 165 46 54 438बस्ती 80 89 53 114 380कुशीनगर 6 18 11 6 13सूबे में कुल 2589 3228 2134 3464 6320चिन्ताजनकउत्तर प्रदेश में फसल अवशेष जलाने के सर्वाधिक मामले बस्ती–गोरखपुर मंडल में क्रीम्स प्रयोगशाला आईसीएआर–आईएआरआई की रिपोर्ट में सामने आई हकीकतनंबर गेम2600 मामले सिद्धार्थनगर में, गोरखपुर में 798 और संतकबीरनगर में 653 मामले आए2025 के सूबे में 3464 के मुकाबले 2026 में फसल अवशेष जलाने के 6320 मामले

परशुराम जयंती पर शोभायात्रा निकली: सैकड़ों युवाओं ने जयघोष के साथ उत्साह से लिया भाग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। खेसरहा विकासखंड के सकारपार क्षेत्र में परशुराम जयंती के अवसर पर एक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में सैकड़ों युवाओं ने हाथों में झंडा और फरसा लेकर परशुराम दादा की जय के नारे लगाए। शोभायात्रा परोई गांव से शुरू होकर पेडारी, कोटिया और महिलानी से होते हुए सकारपार में समाप्त हुई। यात्रा मार्ग में जगह–जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया। ढोल–नगाड़ों की थाप और भक्ति गीतों से वातावरण गूंज उठा। युवा पारंपरिक वेशभूषा में अनुशासित तरीके से शोभायात्रा में शामिल हुए। आयोजक अंकित पांडेय ने बताया कि भगवान परशुराम को न्याय और धर्म के प्रतीक के रूप में पूजा जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसी शोभायात्राएं समाज में एकता और धर्म के प्रति आस्था को मजबूत करती हैं। इस कार्यक्रम में स्थानीय बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय प्रशासन सतर्क रहा। स्वयंसेवकों की एक टीम भी पूरे मार्ग पर तैनात थी, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ–साथ क्षेत्र में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को भी दर्शाता है।

बांसी में भगवान परशुराम जयंती के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत बांसी विधानसभा के सियाराम विवाह वाटिका में हुए इस आयोजन में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय और सांसद जगदंबिका पाल सहित कई जनप्रतिनिधि व समाजसेवी उपस्थित रहे। समाजवादी पार्टी की प्रदेश सचिव विभा शुक्ला और पूर्व सांसद कुशल तिवारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का संयोजन विनोद शुक्ला के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण और पूजन–अर्चन कर समाज एवं राष्ट्र के कल्याण की कामना की गई। वक्ताओं ने अपने संबोधन में भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने भगवान परशुराम के त्याग, शौर्य, धर्म और न्याय के आदर्शों को अपनाने का आह्वान किया। नेताओं ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन अन्याय के विरुद्ध खड़े होने और सत्य के मार्ग पर दृढ़ता से चलने की प्रेरणा देता है। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष लालजी त्रिपाठी (लाल बाबा), प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र पांडेय, भोला नाथ पाठक, जयप्रकाश दुबे, विकास मिश्रा, सूरज पाठक, विजय दुबे, रामकिंकर त्रिपाठी, अनीता द्विवेदी, शुभांगी द्विवेदी, अनुपमा सिंह दुबे, ध्रुव त्रिपाठी, जयंती मिश्रा, हेमंत शुक्ला, राजेंद्र त्रिपाठी, आशुतोष मिश्रा, गुड्डू पाठक, धर्मवीर पाठक, कर्मवीर पाठक और आकाश त्रिपाठी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को परशुराम जयंती की बधाई दी गई और समाज तथा राष्ट्र के उत्थान में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया गया।

नगर पंचायत इटवा के सभागार में भगवान परशुराम जी की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर एक समारोह का आयोजन किया गया, जिसका नेतृत्व पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। समारोह का शुभारंभ भगवान श्री परशुराम जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान परशुराम जी का जीवन त्याग, तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में भगवान परशुराम के आदर्श अधिक प्रासंगिक हैं।

डॉ. द्विवेदी ने युवाओं से अपील की कि वे अपने जीवन में अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाएं। उन्होंने युवाओं को समाज और राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रवासियों को परशुराम जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है। सभी से समाज में भाईचारा, सहयोग और सद्भाव बनाए रखने तथा विकास कार्यों में सक्रिय सहयोग करने की अपील की गई।

आसमान से बरसने लगी आग, झुलस रहे चेहरे, अस्पतालों में स्किन बर्न, लाल चकत्ते, डैंड्रफ के रोगी बढ

संवाददाता–अयोध्या। आसमान से बरस रही आग लोगों के चेहरे झुलसाने लगी है। जिला अस्पताल की ओपीडी से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है, जहां स्किन बर्न, लालिमा, अधेड़ी, डैंड्रफ आदि के रोगियों की संख्या में इजाफा हुआ है। विशेषज्ञों ने इन दिनों खास सतर्कता बरतने की अपील है।

जिले में पिछले एक सप्ताह से सूरज की तपिश बढ़ी है। सुबह 11 बजे तक ही तापमान 40 डिग्री पार कर रहा है। रोजी–रोटी के चक्कर में लोग बाहर निकलने को विवश हैं। ऊपर से शादी–विवाह का सीजन शुरू होने के कारण भी लोगों का घर से निकलना मजबूरी है। इस बीच जरा सी लापरवाही उन्हें बीमार कर रही है। हमारी टीम ने शनिवार को जिला अस्पताल की चर्म रोग ओपीडी का जायजा लिया तो तेज धूप का दुष्प्रभाव साफ दिखा।

वरिष्ठ चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. आरबी वर्मा ने बताया कि तेज धूप के कारण लोगों के चेहरे लाल हो रहे हैं। उन्हें अधेड़ी भी हो रही है। चेहरे व शरीर पर लाल दाने निकल रहे हैं। जांघों पर चकत्ते बन रहे हैं, जो बाद में दाद का रूप ले रहे हैं। सिर में पसीने के कारण डैंड्रफ का खतरा बढ़ा है। इसके अलावा चिकन पॉक्स, लाल दानों के साथ बुखार और चकत्ते आदि की समस्या बढ़ी है। कई लोग वायरल की चपेट में भी आ रहे हैं। रोज की ओपीडी में लगभग 40: मरीज इन्हीं समस्याओं से पीड़ित होकर आ रहे हैं। डॉ. आरबी वर्मा ने बताया कि यदि संभव हो तो धूप में निकलने से बचें। जरूरी काम से निकलना भी है तो सिर पर सफेद रंग की टोपी लगाएं। पूरी बांह के हल्के व ढीले सूती कपड़े पहनें। खूब पानी पियें, रसदार फल का सेवन करें। तले–भुने खाद्य पदार्थों से परहेज करें। छाछ, दही व अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें। सुबह हल्का नाश्ता जरूर लें और जंक फूड से बचें। किसी तरह की दिक्कत होने पर खुद से क्रीम या दवाओं का सेवन न करके चिकित्सीय परामर्श जरूर लें।

गोरखपुर क्लब परिसर में आम की प्रजातियों के 50 पौधे रोपे

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर क्लब परिसर में रविवार को पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान क्लब के वरिष्ठ सदस्यों पियूष बंका डॉ. शिव शरण दास, सुरेश सिंह, डॉ. आरए अग्रवाल, डॉ. सीएम तिवारी, एसपी गोयल, श्याम बिहारी अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, डॉ. महेंद्र कुमार, दीपक अत्रे ने 50 की संख्या में आम की विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया। गोरखपुर क्लब के जनरल सेक्रेटरी डॉ. संजीव गुलाटी ने कहा कि,'प्रकृति हमारे जीवन का आधार है। हमें इसे सुरक्षित और समृद्ध बनाने के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए। पौधरोपण से न केवल पर्यावरण संतुलन बना रहता है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ और सुंदर भविष्य भी सुनिश्चित करता है। पौधरोपण कार्यक्रम में निदेशक कृष्णा गुप्ता, अनुज अग्रवाल, संजीव नेभानी, डॉ मिहिर कुमार, कीर्ति रमन दास समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने एवं उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया।

स्मार्ट मीटर दिहाड़ी मजदूर पर पड़ा भारी

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। दिहाड़ी पर गुजारा करने वाले मजदूरों और गरीब परिवारों के लिए स्मार्ट प्रीपेड मीटर अब गले की फांस बन गए हैं। पहले जहां दो–तीन सौ रुपये में महीने भर बिजली आपूर्ति मिल जाती थी, वहीं स्मार्ट मीटर लगने के बाद बिल अचानक 1000 से 4000–5000 रुपये तक पहुंच रहा है।

बैलेंस खत्म होते ही बिजली कट जाती है, रिचार्ज कराने के पैसे नहीं होते तो घर में अंधेरा छा जाता है। रोज की मजदूरी जोड़कर भी बिल भरना मुश्किल हो रहा है।

उपभोक्ता सत्य नारायण स्मार्ट मीटर खाता संख्या 3893493000, जो पेशे से दिहाड़ी मजदूर है, रोज 500 रुपये कमाता है। घर में सिर्फ पंखा और बेसिक लाइटें चलती हैं, लेकिन स्मार्ट मीटर लगने के बाद एडवांस बिल भरने में असमर्थता के चलते बिजली बार–बार कट रही है। उनका कहना है, रोज कमाकर खाते हैं, एडवांस में 1000 रुपये कहां से लाएं।

उपभोक्ता रामकुबेर खाता संख्या 58632840001 का कहना है कि पुराने मीटर में महीने के अंत में बिल जमा करना पड़ता था। वह भी 500 रुपये तक, अब 500 रुपये डालो तो तीन दिन में बिल माइनस हो जाता है और अपने आप बिजली सप्लाई बंद हो जाती है। मजदूरी जो मिलता है सब बिजली बिल जमा करने में चला जा रहा है। उपभोक्ता शांति खाता संख्या 4083805000 का कहना है, पहले महीनों महीनों तक बिजली मिलती थी। लेकिन अब कब बंद हो जाए कुछ कहना मुश्किल है, स्मार्ट मीटर समझ से परे है। उपभोक्ता संताराम पाल खाता संख्या 3313294000 का कहना है कि रिचार्ज करने के बावजूद बिना जानकारी के बिजली गुल हो जाती है। हम जैसे अशिक्षित लोगों के लिए बहुत बड़ी समस्या बन गई है स्मार्ट मीटर योजना।

अधिशाषी अभियंता विद्युत डुमरियागंज संतोष त्रिपाठी ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने पर रविवार से अग्रिम आदेश तक रोक लगा दी गई है। लेकिन जो स्मार्ट मीटर प्रीपेड मोड पर आ गए है।

घर–घर दस्तक देकर 'वोट बैंक' साधने में जुटी सपा, एसआइआर के बाद तेज हुआ सत्यापन

संवाददाता–गोरखपुर। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण–एसआइआर अभियान के बाद प्रकाशित हुई मतदाता सूची अब राजनीतिक दलों के लिए केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि चुनावी रणनीति का अहम आधार बन गई है। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी (सपा) ने भी जिले में मतदाता सूची के सत्यापन का बड़ा अभियान छेड़ दिया है। पार्टी ने बूथ स्तर तक अपने संगठन को सक्रिय करते हुए कार्यकर्ताओं को घर–घर जाकर भौतिक सत्यापन का जिम्मा सौंपा है।

सपा के इस अभियान की खास बात यह है कि यह सिर्फ कागजी जांच तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे मतदाताओं के दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। बूथ प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे मतदाता सूची लेकर हर घर जाएं, सूची में दर्ज नामों का मिलान करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई पात्र मतदाता छूट न जाए। साथ ही मृत या स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम हटवाने की प्रक्रिया भी तेज की जा रही है। सभी विधानसभा क्षेत्रों के अध्यक्ष, पूर्व सांसद, विधायक और सभी पदाधिकारियों को इस सत्यापन अभियान की निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो यह अभियान दोहरे उद्देश्य को साध रहा है। एक ओर सपा प्रशासनिक स्तर पर मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल उठाने के लिए ठोस आधार तैयार कर रही है, वहीं दूसरी ओर नए मतदाताओं को जोड़कर अपने जनाधार को मजबूत करने की कोशिश भी कर रही है। खासकर युवा मतदाता और पहली बार वोट देने वाले वर्ग पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

जिलाध्यक्ष ब्रजेश कुमार गौतम ने स्पष्ट किया है कि यदि सत्यापन के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी सामने आती है तो पार्टी इसे गंभीरता से उठाएगी। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपने की तैयारी भी की जा रही है।

इससे यह संकेत मिलता है कि सपा इस मुद्दे को केवल संगठनात्मक स्तर तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे प्रशासनिक और राजनीतिक बहस का विषय बनाने की रणनीति पर भी काम कर रही है। जमीनी स्तर पर देखा जाए तो बूथ प्रभारियों की सक्रियता ने स्थानीय राजनीति में हलचल बढ़ा दी है। कई जगहों पर कार्यकर्ता मतदाताओं को फार्म भरवाने, दस्तावेज जुटाने और आनलाइन आवेदन कराने में भी मदद कर रहे हैं। इससे आम मतदाता के बीच पार्टी की पहुंच और पकड़ मजबूत होने की संभावना है। हालांकि, इस पूरे अभियान के बीच एक बड़ा सवाल यह भी है कि भारतीय जनता पार्टी सहित कुछ अन्य राजनीतिक दल भी इसी तरह की सक्रियता दिखा रहे हैं। ऐसे में सपा को इस पूरी कवायद का कितना राजनीतिक लाभ मिलेगा। फिलहाल इतना तय है कि मतदाता सूची का यह 'सत्यापन अभियान' आने वाले चुनावों की बुनियाद को प्रभावित करने वाला अहम फैक्टर बन सकता है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा 116 उ0प्र0रा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी भानपुर जिला बस्ती

पवन कुमार

बनाम

राजेश कुमार आदि

साकिन चैसार

1. राजेश कुमार पुत्र पतिराम 2. बाबूलाल 3. रामानन्द 4. सदानन्द पुत्रगण रामयज्ञ 5. हरिश्चन्द्र पुत्र राजाराम साकिनान चैसार तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती 6. ग्राम पंचायत चैसार जरिए प्रधान प्रमोद कुमार साकिन चैसार तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 21–04–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 21 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 07 माह 04 सन 2026 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

कुरआन जीवन जीने का मार्गदर्शक

संवाददाता–गोरखपुर। रविवार को मकतब इस्लामियात तुर्कमानपुर में इस्लामी बहनों के लिए साप्ताहिक दर्स–ए–कुरआन (व्याख्यान) का शुभारंभ किया गया। इस्लामी बहनों ने हिस्सा लेकर अपने दीनी जज्बे का इजहार किया। दर्स–ए–कुरआन का शुभारंभ करते हुए तहरीक उलमा–ए–हिंद राजस्थान के चेयरमैन मुफ्ती खालिद अय्यूब मिस्बाही नक्शबंदी ने कहा कि कुरआन पवित्र ग्रंथ न केवल इबादत के लिए है, बल्कि पूरी मानवता के लिए जीवन जीने का एक मार्गदर्शक है। दर्स संयोजक हाफिज रहमत अली निजामी ने कहा कि कुरआन को सिर्फ पढ़ना ही नहीं, बल्कि समझकर और गौर–ओ–फिक्र के साथ पढ़ना चाहिए ताकि उसकी शिक्षाओं को दैनिक जीवन में अमल (लागू) किया जा सके।

फार्मर रजिस्ट्री से वंचित किसान 30 अप्रैल तक करा सकते हैं रजिस्ट्रेशन

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जिले में फार्मर रजिस्ट्री से अब तक वंचित रहने वाले किसानों को शासन की ओर से एक और अंतिम अवसर दिया गया है। एग्री स्टैक डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के तहत अवशेष कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री करने के लिए जनपद के ग्राम पंचायतों के ग्राम सचिवालय में लगातार 30 अप्रैल तक कैंप लगाकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। फार्मर रजिस्ट्री से वंचित कृषकों को सरकार के कल्याणकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। यह बातें उप निदेशक कृषि रवि शंकर पांडेय ने दी है। उन्होंने बताया कि पीएम किसान की आगामी किस्त में फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य कर दिया गया है। कृषकों को फसल ऋण के किसान क्रेडिट कार्ड एवं एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड तथा कृषि से संबंधित एवं अन्य ऋण प्राप्त करने में सुगमता होगी। फसल बीमा का लाभ प्राप्त करने और आपदा प्रबंध के तहत क्षतिपूर्ति के लिए कृषकों के चिह्नांकन में सुगमता होगी। आगामी माह में फार्मर रजिस्ट्री में पंजीकृत कृषकों को ही उर्वरक दिया जाएगा। फार्मर रजिस्ट्री कराने से किसानों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त करने में कृषि एवं संबद्ध विभागों को फार्मर रजिस्ट्री के उपलब्ध आकड़ों के आधार पर योजनाओं के लाभ वितरण करने सुगमता होगी। फार्मर रजिस्ट्री किसान सेल्फ मोड एवं सहायक मोबाइल एप के माध्यम से से स्वयं भी कर सकते है, इसके साथ ही जनसेवा केंद्र माध्यम से भी करा सकते है। ग्राम पंचायत स्तर पर कृषि विभाग के कार्मिक, राजस्व लेखपाल, पंचायत सहायक एवं रोजगार सेवक द्वारा आयोजित किए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कैंप के माध्यम से अपना फार्मर रजिस्ट्री करा सकते है।

गैस सिलिंडर न लेने पर निरस्त हो जाएगी बुकिंग, उपभोक्ताओं को मिलेगा सिर्फ 10 दिन का मौका

संवाददाता–गोरखपुर। जरूरत न होने पर भी बुकिंग कराने वालों को सिलिंडर लेने के लिए 10 दिन की ही मोहलत मिलेगी। 10 दिन में यदि सिलिंडर की डिलीवरी नहीं हुई तो एजेंसी की संस्तुति पर तेल कंपनी बुकिंग निरस्त कर देगी। इसके बाद ग्राहक को दोबारा बुकिंग करानी होगी। हालांकि दोबारा बुकिंग में 25 या 45 दिन का नियम नहीं बनाया गया है। यानी ग्राहक दोबारा बुकिंग कराएंगे तो उन्हें डिलीवरी अथेंटिकेशन कोड (डीएसी) मिल जाएगा। रसोई गैस संकट के बीच लोगों में समय से सिलिंडर की बुकिंग कराने की तेजी मच गई है। महानगर में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की अवधि पूरी होते ही ग्राहक सिलिंडर की बुकिंग कराने में जुट जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो ज्यादातर ग्राहकों के सिलिंडर इस अवधि में खत्म हो जा रहे हैं लेकिन महानगर में रहने वाले छोटे परिवारों में सिलिंडर की गैस 25 दिन में नहीं खत्म हो रही है। ग्राहक 25 दिन पूरा होते ही बुकिंग करा रहे हैं।

इसके बाद एक से दो दिन में हाकर उनके घर पर सिलिंडर लेकर पहुंच रहे हैं। लेकिन सिलिंडर खाली न होने के कारण ग्राहक हाकर को कुछ दिन बाद बुला रहे हैं। ऐसी समस्या उनके घरों में ज्यादा है जहां एक ही सिलिंडर का कनेक्शन है। तेल कंपनी के नियमों के अनुसार ग्राहक बुकिंग तो करा ले रहे हैं लेकिन सिलिंडर खाली न होने के कारण वह दूसरा नहीं ले पा रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी रामेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि पैनिक बुकिंग कराकर अब ग्राहक खाली सिलिंडर नहीं दे पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में एजेंसी का बैकलाग भी बढ़ा दिख रहे। जो ग्राहक कई दिनों तक सिलिंडर नहीं लेंगे उनकी बुकिंग निरस्त कर दी जा रही है। ऐसे ग्राहक जरूरत होने पर बुकिंग कराएं, डीएसी आते ही तत्काल सिलिंडर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

कई एजेंसियों के हाकर उन ग्राहकों पर डोरे डाल रहे हैं जिनके घर रसोई गैस की खपत कम है। ऐसे हाकर इन ग्राहकों से डीएसी मांग रहे हैं। साथ ही वादा भी कर रहे हैं कि जब ग्राहक को जरूरत होगी तो दूसरे के डीएसी के आधार पर सिलिंडर उपलब्ध करा दिया जाएगा। हालांकि ज्यादातर ग्राहक डीएसी देने से बच रहे हैं।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com